भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 40 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 अगस्त 2025 मंगलवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

सियासी घटनाक्रम : दिल्ली में अहम मुलाकात के बाद बदल सकते हैं कई समीकरण

नया मोड़ : विजय शाह को अपने साथ लेकर सीएम पहुंचे दिल्ली, शाह से मिले

भोपाल/नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो।

मप्र के राजनीतिक गलियारों में कोई नया घटनाक्रम सामने आने की सुगबुगाहटें बढ़ गई हैं। आज दोपहर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। खास बात यह है कि मप्र के कैबिनेट मंत्री विजय शाह भी उनके साथ गए हैं। दरअसल, पिछले कई दिनों से विजय शाह को लेकर भाजपा पशोपेश में नजर आ रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बेहद विवादास्पद व भाजपा को बैकफुट पर धकेलने वाले बयान देने के बाद से पार्टी उन्हें महत्वपूर्ण मंचों से दूर रख रही है। सुप्रीम कोर्ट भी उनके प्रति बेहद सख्त तेवर दिखा चुका है, जहां उनके इसी विवादित बयान मामले की सुनवाई चल रही है। जानकार सूत्रों के मुताबिक यादव जब संसद भवन में अमित शाह से मिलने दाखिल हुए तो विजय शाह भी उनके साथ थे। समझा जाता है कि मुख्यमंत्री की शाह से यह मुलाकात किसी नए घटनाक्रम की तरफ इशारा हो सकती है। संभव है कि विजय शाह की मौजूदा जिम्मेदारियों को लेकर भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व कोई बड़ा फैसला कर ले। विजय शाह ने अपने से जुड़े इस मामले में कई बार सफाई भी दे चुके हैं, लेकिन उनके प्रति पार्टी का रुख व नए संकेत जल्द सामने आएंगे।

संसद में हंगामा : संसद के दोनों सदनों में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा दोपहर 3 बजे तक और राज्यसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

ओबीसी आरक्षण पर आखिरी सुनवाई 22 सितंबर को

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब 22 सितंबर को अंतिम सुनवाई होगी।आज अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट के सामने पक्ष रखा। ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया- कोर्ट ने इस मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। 22 सितंबर को इसे पहले नंबर पर सुनवाई के लिए रखा है। ये 13 फीसद होल्ड वाले मामले में अंतिम सुनवाई होगी। इससे पहले कोर्ट में प्रतियोगी परीक्षाओं में 13 प्रतिशत होल्ड पदों को अनहोल्ड किए जाने और छत्तीसगढ़ के फॉर्मूले पर अमल के लिए याचिकाकर्ताओं के वकील अपनी बात रख चुके हैं। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने 4 मई 2022 के अंतरिम आदेश में ओबीसी आरक्षण की सीमा 14व तक सीमित कर दी थी। इसके बाद से यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। 5 अगस्त को हुई सुनवाई में ओबीसी महासभा की ओर से कहा गया था कि परीक्षा के बाद भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन नियुक्ति नहीं दी जा रही है। छत्तीसगढ़ जैसी राहत एमपी में दी जाए। दूसरी तरफ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चांदुरकर की खंडपीठ के सामने अनारक्षित वर्ग द्वारा 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिए जाने पर बात रखी गई थी।

तेजस के तेज निर्माण का रास्ता साफ, नासिक को उड़ान की मंजूरी

नईदिल्ली, एजेंसी

स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान के तेजी से निर्माण के क्षेत्र में भारत ने बड़ा रास्ता तय कर लिया है। अब हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नासिक यूनिट को तेजस एमके 1ए के लिए फ्लाइट क्लीयरेंस मिल गई है। इससे एचएएल को लड़ाकू विमान बनाने की दिशा में एक नई ताकत मिली है और वह अब तेजी से दो जगहों से स्वदेशी हल्के फाइटर जेट का निर्माण कर सकता है। इससे भारतीय वायु सेना की जरूरतें जल्द पूरी होने की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। अभी बेंगलुरु की दोनों प्रोडक्शन लाइन की साल में 8-8 विमान बनाने की क्षमता है और नासिक की भी ही इतनी ही क्षमता होने की वजह से एचएएल को समय पर काम करने के लिए बहुत बड़ी सहायता मिलने वाली है और साल में 24 एलसीए निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार एचएएल नासिक में चौथा प्रोडक्शन लाइन भी तैयार कर सकता है। लेकिन, यह तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब जीई से इंजन की सप्लाई दुरुस्त हो सके। दरअसल भारतीय वायुसेना में फाइटर जेट की किल्लत है एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने यह मुद्दा बहुत ही गंभीरता से उठाया भी था।

अमेरिका देगा तेजस के इंजन

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत अभी तेजस विमानों के लिए इंजन जल्दी पाने के लिए अमेरिका से बात कर रहा है। अभी तक भारत को दो इंजन मिले हैं। तीसरा इस महीने मिलेगा। कहा जा रहा है कि अमेरिका की कंपनी जीई ने कहा है कि वह अक्टूबर तक हर महीने एक इंजन देगा।

कार्गो प्लेन के इंजन में लगी आग

चेन्नई, एजेंसी। मलेशिया के कुआलालंपुर से चेन्नई आ रहे इंटरनेशनल कार्गो प्लेन के इंजन में आग लग गई। हालांकि इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लैंडिंग के दौरान प्लेन के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलटों ने एयरपोर्ट अधिकारियों का खबर दी। हालांकि प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग नहीं हुई, लेकिन पायलटों ने विमान को सुरक्षित उतार लिया। प्लेन के उतरने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग बुझा दी।

कश्मीरी पंडित नर्स की हत्या मामले में कई जगहों पर छापे

जम्मू, एजेंसी। स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने आज वर्ष 1990 में कश्मीरी पंडित महिला सरला भट

के अपहरण और हत्या के सिलसिले में श्रीनगर में कई जगहों पर छापेमारी की है। पुलिस और सीआरपीएफ की सहायता से जांच टीमें शहर भर में 8 जगहों पर एक साथ छापे के बाद जांच कर रही हैं।जम्मू कश्मीर लिबेरेशन फ्रंट के पूर्व प्रमुख यासीन मलिक के आवास पर भी रेड की गई है। सरला भट्ट की अप्रैल 1990 में घाटी में आतंकवाद के चरम के दौरान हत्या की गई थी। तब अनंतनाग की 27 साल की नर्स सरला भट श्रीनगर के सौरा में शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान में काम करती थी। छात्रावास से उनका अपहरण कर लिया गया था और अगली सुबह सौरा के मल्लाबाग में उमर कॉलोनी की सड़क पर गोलियों से छलनी लाश मिली थी।

अमेरिका ने बलूच आर्मी को आतंकी संगठन घोषित किया

वाशिंगटन , एजेंसी

अमेरिका ने अब बलूच लिबरेशन आर्मी और उसके सहयोगी संगठन मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि बीएलए ने 2024 में कराची एयरपोर्ट के पास और ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स में आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी ली थी। मार्च 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक करने की भी जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 31 नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

रुबियो ने कहा, आतंकवादी संगठन घोषित करना, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अहम भूमिका निभाता है। यह आतंकवादी गतिविधियों के लिए मिलने वाले समर्थन को रोकने का एक प्रभावी तरीका है। अमेरिका की ओर से यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर अमेरिका दौरे पर हैं। मुनीर की यह डेढ़ महीने में दूसरी अमेरिका यात्रा है।

निशाने पर अंबानी की जामनगर रिफाइनरी

गौरतलब है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भविष्य में भारत के साथ किसी भी सैन्य संघर्ष की स्थिति में, गुजरात के जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रिफाइनरी को निशाना बनाने की मंशा का संकेत मिला है। यह दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-साइट रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स है। खबरों के मुताबिक फ्लोरिडा में एक औपचारिक डिनर में बोलते हुए, मुनीर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट का हवाला दिया। इसमें कुरान की एक आयत के साथ आरआईएल के अध्यक्ष मुकेश अंबानी की तस्वीर थी। मुनीर ने अपनी धमकी के लिए अंबानी को इसलिए चुना क्योंकि आरआईएल प्रमुख भारत की आर्थिक शक्ति और क्षमता के प्रतीक हैं। हालांकि अन्य तेल प्रतिष्ठान और संपत्तियां भी असुरक्षित मानी जा सकती हैं। जामनगर परिसर का विशाल आकार इसे भारत

जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

नईदिल्ली एजेंसी

कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने आज महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। स्पीकर ने कहा, मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है। इस प्रस्ताव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग है। स्पीकर ने जांच के लिए 3 सदस्यीय कमेटी का ऐलान किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के 1-1 जज और 1 कानूनविद शामिल हैं। जांच समिति की रिपोर्ट आने तक यह महाभियोग प्रस्ताव लंबित रहेगा। बिरला ने कहा कि हमने न्यायाधीश जांच अधिनियम के प्रावधानों का अध्ययन किया है। हमने सुप्रीम कोर्ट के घोषित कानूनों के साथ-साथ कई अन्य फैसलों की जानकारी भी रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया है। इनहाउस प्रक्रिया का पालन किया।

पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों के घर गैस सप्लाई व मिनरल वाटर बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। खबरों के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। बताते हैं कि छह साल पहले पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था।

जबलपुर एयरपोर्ट पर मंडराया खतरा

भोपाल/जबलपुर, एजेंसी। अब मप्र के जबलपुर एयरपोर्ट पर तालाबंदी का खतरा मंडराने लगा है। हाईकोर्ट ने इस संबंध में साफ इशारा किया है। दरअसल डुमना एयरपोर्ट के विकास के नाम पर करीब चार सौ करोड़ रुपए खर्च किए गए है मगर यहां से महज 5 फ्लाइट का संचालन ही किया जा रहा है। लिहाजा हाईकोर्ट ने इसके लिए विमानन कंपनियों को फटकार लगाई है और कंपनियों से शपथ पत्र के साथ जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने प्रदेश के एविएशन विभाग से भी जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा है कि क्यों न बंद कर दिया जाए? मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी।

(विस्तृत खबर पेज 6 पर)

आग, मार्केट खाक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के द्वारका स्थित रेडिशन ब्लू होटल में आग लगने से हड़कंप मचा रहा। दमकल की 10 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर डेढ घंटे में काबू पाया। आग आधी रात के बाद होटल के सेकंड फ्लोर पर मौजूद स्पा सेंटर में लगी थी। हालंकि इसमें किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। उधर दिल्ली में पार्क मेट्रो स्टेशन के पास स्थित टिंबर मार्केट के गोदाम और फैक्ट्री में देर रात भीषण आग लग गई। हवा चलने के कारण आग ने थोड़ी ही देर में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 25 गाड़ियों मौके के लिए रवाना कर दी गई। इनमें से 15 गाड़ियां सुबह भी आग बुझाने के लिए मशक्कत करती रहीं।

मेट्रो एंकर | सरकार अलर्ट : नई जगह बसाने का फैसला, नदी किनारे निर्माण पर रोक

लाखों टन मलबे में दबा धराली, अब कहीं और आबाद होगा

देहरादून, एजेंसी

त्रासदियां अक्सर भारी नुकसान के बाद कई बदलाव लाती हैं। उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद आई आपदा में तबाह हुआ धराली गांव भी अब इसी बदलाव की चपेट में है। यानि धरानी को अब दोबारा उसी जगह नहीं बसाना संभव नहीं हो सकेगा। पूरे धराली गांव को किसी सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की कवायद शुरू कर दी गई है। यह भी ?तय किया जा रहा है कि नदियों के किनारे और लैंडस्लाइड वाले संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी नया निर्माण नहीं होगा। इस तरह की संवेदनशील जगहों वाले अन्य गांव भी शिफ्ट किए जा सकते हैं। सेना भी नया कैंप बनाने के लिए नए स्थान को खोजने की मशक्कत करेगी।

खबरों के मुताबिक उत्तराखंड सरकार ने यह निर्णय ले लिया है कि धराली को नये स्थान पर बसाया जाए। खास वजह यह भी

है कि पिछले दस साल में धराली इलाके में तीन आपदाएं आईं।

तीनों बार गांव तबाह हुआ, लेकिन हर बार स्थानीय लोगों ने वहां नई इमारतें खड़ी कर लीं। फिलहाल आपदा के 7 दिन बाद भी धराली गांव लाखों टन मलबे में दबा है और यहां रेस्क्यू अभियान बहुत मुश्किल हो रहा है। उत्तरकाशी के

धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था। सरकार ने कहा है कि अभी भी कुल 43 लोग लापता हैं। इनमें से एक ही शव मिल पाया है। वही एक अफसर का कहना है कि धराली के विस्थापन के लिए स्थानीय लोगों से चर्चा शुरू कर दी गई है। लोग भी चाहते हैं कि उन्हें 8 से 12 किमी दूर लंका, कोपांग या जांगला में बसाया जाए।

गौरतलब है कि हर्षिल में आई आपदा में सेना का कैंप भी बह गया था। इसलिए नया कैंप लगाने के लिए सेना श्रीखंड पर्वत और आसपास के ग्लेशियरों, झीलों की रेकी करेगी। त्रासदी आने के बाद पहले दिन सरकार ने 4 लोगों की मौत और 30 लोगों के लापता होने की पुष्टि की थी। स्थानीय लोग 60 लोगों के लापता होने की बात शुरू से कहते रहे, लेकिन मौसम और सड़कें टूटी होने के चलते इन्हें ढूंढने के प्रयास शुरू नहीं हो पाए। लापता में 29 नेपाली मजदूर भी थे। मोबाइल नेटवर्क आने के बाद इनमें से 5 से संपर्क हो गया है।

बेहद मुश्किल ऑपरेशन, उम्मीदें धुंधली

धराली में लगातार 8 दिन से रेस्क्यू आपरेशन चल रहा है। मलबा हटाकर अंदर दबे शवों को निकालने की कोशिश की जा रही है। अब तक रोड कनेक्टिविटी न हो पाने की वजह से खुदाई के लिए बड़ी मशीनें नहीं पहुंच पाई हैं। खुदाई में लगीं छोटी मशीनें गीली मिट्टी में फंस रही हैं। इसलिए हाथों से ही खुदाई की जा रही है।

राजधानी में कई स्थानों पर मकान को 'छू' रहे बिजली के तार, महकमे के चार्ज के सामने सब लाचार

हाईटेंशन लाइन से बढ़ रहा टेंशन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

शहर में कई स्थानों पर घरों या बाजारों में लटकती बिजली की लाइनें खतरा पैदा कर रही हैं। दूसरी तरफ बिजली अमला स्मार्ट मीटर की उपयोगिता का सबक लोगों को समझाने में जुटा है। हाल में गांधी नगर के अर्जुन वार्ड में रहने वाली निधि के जिस घर में भाई सुभाष सेन की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हुई है,इसके बाद यह मामला फिर सुर्ख हो गया है।

दरअसल, गांधी नगर थाने के ठीक बगल से गुजरने वाली सड़क पर निधि का ससुराल है। जहां वह पति संग रहती है। इस मकान की छत के पास से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। बताया जाता है कि छत और लाइन के बीच दो फीट का भी फासला नहीं है। कोई छोटा बच्चा भी इसे आसानी से छू सकता है। यह हाल केवल आसपास के करीब एक दर्जन से अधिक मकानों का है। पूर्व में मोहल्ले का एक बच्चा हाईटेंशन की चपेट में आ चुका है, इससे उसका हाथ झुलस गया था।

यहां के लोग लंबे समय से शिकायतें करके बिजली विभाग को हाई टेंशन लाइन को शिफ्ट करने के लिए गुहार लगा रहे हैं। लेकिन कहा जा रहा है कि लाइन की शिफ्टिंग चार्ज के नाम पर डेढ़ लाख रुपए की मांग की जा रही है। खबरो के मुताबिक यहां के परिवार पूर्व में पचास हजार रुपए एकत्र कर विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं लेकिन इससे बात नहीं बनी। इसी के चलते रक्षाबंधन पर आया निधि का भाई इसी लाइन की चपेट में आकर जान गंवा बैठा।

बिजली कंपनी का दावा - शिकायतें गलत, ऑल इज वेल !

राजधानी में स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर कई विरोध प्रदर्शन के बीच बिजली कंपनी के अफसरों ने पहली बार स्मार्ट मीटर के फायदे भी गिनाने शुरू किये हैं। इसके लिये बकायदा सेमिनार किया गया तथा स्मार्ट मीटर को क्लीन चीट देते हुए अफसरों ने कहा कि सही रीडिंग हो रही है। डिप्टी चीफ इंजीनियर बीबीएस परिहार ने कहा कि स्मार्ट मीटर के संबंध में सीएम हेल्पलाइन या अन्य माध्यम से मिली कुल 547 शिकायतों की पड़ताल की। किसी में भी अधिक खपत आने की बात सिद्ध नहीं पाई गई है। ज्यादा बिल आने की बात पर उन्होंने कहा कि कुछ उपभोक्ता ऐसे हैं, जिनके यहां पुराने मीटर में गड़बड़ हुई थी। उनकी अब सही रीडिंग आ रही हैं। इस दायरे में सभी उपभोक्ता नहीं है। गौरतलब है कि लोगों की शिकायत है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ही उन्हें भारी यानी ज्यादा राशि के बिल दिए जा रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा नेताओं व विधायक तक ने जनता की शिकायतों में सुर मिलाया है। स्मार्ट मीटर सेल प्रभारी सीके पंवार ने कहा, यदि उपभोक्ता को लगता है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद ज्यादा राशि के बिल आ रहे हैं तो शिकायत करें इसकी जांच की जाएगी।कहा जा रहा है कि अभी तक करीब पौने दो लाख मीटर लग चुके हैं।

गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत, कलेक्टर-आयुक्त से जवाब तलब

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के तीन मामलों में लिया संज्ञान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष कार्यवाहक राजीव कुमार टंडन ने भोपाल जिले के तीन मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला गड्ढे में डूबने से बच्चे की मृत्यु होने का है। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, भोपाल शहर के परवलिया सड़क इलाके में बीते रविवार को एक 08 साल के मासूम बच्चे की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मृत्यु होने की घटना सामने आई है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मृतक के परिवार को नियमों के अनुरूप दी गई सहायता के संबंध की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

अस्पताल में युवक की मौत : भोपाल शहर के भारत टॉकीज ब्रिज पर रोड एक्सीडेंट में घायल हुय एक बाइक सवार युवक की बीते रविवार को शाहजहांनाबाद स्थित एक अस्पताल में मृत्यु होने की घटना सामने आई है। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगाया है। मामले में आयोग ने डीसीपी जोन-04, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए युवक की मौत

भोपाल शहर के गांधी नगर के प्रताप वार्ड में हाईटेंशन लाइन की चपेट मे आने से एक 20 वर्षीय युवक की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। युवक अपनी बहन के घर प्रताप वार्ड स्थित उसके घर आया था, जहां वह घर की छत पर गया। घर की छत से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट आया और उसकी मृत्यु हो गई। मामले में आयोग ने एम.डी., मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल से घटना की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

बरकतउल्ला विवि में कारगिल विजय दिवस पर हुआ कार्यक्रम

संकल्प : अच्छा नागरिक बनकर देश सेवा में दे अपना योगदान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें भाषण चित्रकला एवं प्रदर्शनी प्रमुख रूप से शामिल किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति ब्रिगेडियर संजय घोष थे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कारगिल से जुड़े उनके विशेष संस्मरण सुनाए एवं विद्यार्थियों को एक अच्छा नागरिक बनकर देश सेवा में अपना योगदान देने का संकल्प दिलाया। आपने विद्यार्थियों से विशेष रूप से आवाहन किया कि वे अपने जीवन काल में एक बार कारगिल अवश्य जाएं एवं कारगिल में शहीद हुए हमारे सैनिकों के स्मारकों पर पुष्प अर्पित कर पुण्य लाभ लें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कर्मचारी और सभी संकाय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पवन मिश्रा ने अपने स्वागत उद्बोधन दिया एवं विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर, समय प्रबंधन, अनुशासन लगन कठिन परिश्रम, सहनशीलता एवं सकारात्मक सोच को अपनाकर अपने जीवन को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि प्रो. शशांक शेखर, डॉ आलोक मिश्रा, एवं डॉ. कपिल सोनी ने भी अपने व्याख्यान से छात्रों को लाभान्वित किया।

वंदे भारत ट्रेन चलाने से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर मुकम्मल करने की कवायद

अक्टूबर के बजाए दिसंबर से चलने के आसार

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अब राजधानी से लखनऊ के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस और पाटलिपुत्र पटना के लिए अमृत भारत ट्रेन के पटरियों में दौड़ने का इंतजार बढ़ गया है। अक्टूबर के बजाए इसे दिसंबर तक शुरू किए जाने की उम्मीद है। अभी भोपाल से लखनऊ के लिए 15 से ज्यादा ट्रेनें हैं लेकिन सभी श्रेणी में वेटिंग 40-60 तक रहती है। इसी तरह पटना के लिए 8 ट्रेनें हैं, इसमें भी वेटिंग की अमूमन यही स्थिति रहती है। इसे देखते हुए लंबे समय से भोपाल से लखनऊ के लिए प्रतिदिन तेज रफ्तार वाली ट्रेन की जरूरत महसूस की जा रही है।

सूत्रों की मानें तो इन ट्रेनों के संचालन से पहले जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का काम अंतिम चरण में हैं। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत के लिए विशेष वॉशिंग पिट लाइन तैयार की जा रही है। इसका निर्माण कार्य अक्टूबर तक पूरा होने की संभावना है। भोपाल मंडल इन ट्रेनों को तब ही चला पाएगा, जब आवश्यक तकनीकी और ऑपरेटिंग संबंधी व्यवस्थाएं पूरी होंगी। रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि भोपाल से लखनऊ के लिए करीब आठ कोच की सिटिंग वंदे भारत और पाटलिपुत्र के लिए 20 कोच वाली अमृत भारत स्लीपर ट्रेन चलाई जाएगी। इनके कोच और रैक आने के बाद साल के अंत तक इन ट्रेनों को चलाए जाने की पूरी उम्मीद है। बताया जाता है कि भोपाल से लखनऊ की 8 कोचों वाली वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों को चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास दोनों का विकल्प मिलेगा। यह पूरी तरह से डे-रन सेवा पर आधारित रहेगी। यह हाईस्पीड ट्रेन भोपाल से लखनऊ करीब 8 से 9 घंटे में पूरा करेगी।

मिठी स्कूल में छात्र परिषद ने शपथ ली

हिरदाराम नगर. मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में आयोजित छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह में लेफ्टिनेंट कर्नल ईशान आर. ने छात्रों को अनुशासन और कठिन परिश्रम का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए स्व-अनुशासन और ईमानदारी बेहद जरूरी हैं। समारोह में संस्था प्रमुख सिद्ध भाऊ जी ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद को जिम्मेदारी का एहसास दिलाया। उन्होंने कहा कि यह पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। वहीं, संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने इसे लोकतांत्रिक नेतृत्व का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ए एन मणिकंडन ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। स्कूल कैप्टन मोहित दे ने अपने संबोधन में कहा कि परिषद स्कूल और छात्रों के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में काम करेगी। इस वर्ष की छात्र परिषद में मोहित दे और नीलेश मोटवानी सहित 36 सदस्यों को विभिन्न पदों के लिए चुना गया है।

सबनानी बोले- सिंध प्रांत न मिलने से सिंधी समाज सुविधाओं से वंचित

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर एक विचार-विमर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि पंजाब और बंगाल को तो अलग प्रांत मिले, लेकिन सिंध को नहीं, जिस कारण सिंधी समाज कई सुविधाओं और अधिकारों से वंचित रह गया। उन्होंने समाज में नेतृत्व की कमी और अपनी पहचान छिपाने की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई। सबनानी ने कहा कि सिंधी समाज को एक मजबूत संगठन बनाना चाहिए और अपनी भाषा और संस्कृति को जीवित रखने के लिए प्रयास करने चाहिए। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने युवा पीढ़ी को सिंधी भाषा और संस्कृति से परिचित कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें उन लोगों के बलिदान को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने देश के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया। कार्यक्रम में राजेश हिंगोरानी और अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

आरएनटीयू और डीएडीबी जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीएडीबी जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ज्ञात हो कि डीएडीबी जर्मनी के बर्लिन स्थित एकमात्र जर्मन एडटेक कंपनी है, जो सम्पूर्ण यूरोप और एशिया में डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। यह समझौता भारत और जर्मनी के बीच शैक्षणिक सहयोग को सशक्त बनाते हुए छात्रों और शिक्षकों के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोलेगा। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, एआईसी-आरएनटीयू एवं आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. नितिन वत्स, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. संजीव गुप्ता एवं एजीयू रिसर्च डायरेक्टर डॉ. रचना चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। वहीं, डीएडीबी जर्मन एकेडमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन की ओर से मैनेजिंग डायरेक्टर अमित दास, रीजनल हब मैनेजर नीलाद्रि बिहारी रे, बिजनेस पार्टनरशिप मैनेजर ओइंद्रिला घोष एवं संजीत यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि यह सहयोग रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मापदंडों के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाती है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों को बहु-विषयक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने, नवीन ज्ञान साझाकरण को प्रोत्साहित करने एवं वैश्विक सहभागिता के नए आयाम स्थापित करने में सक्षम बनाएगी।

मेट्रो एंकर | ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने एसीपी को सौंपा ज्ञापन

बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर कांग्रेस ने पुलिस पर उठाए सवाल

हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो

बढ़ती आपराधिक घटनाओं, जुआ, सट्टे और नशे की गतिविधियों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और पार्षद अशोक मारण ने आरोप लगाया है कि पुलिस की अनदेखी के कारण क्षेत्र में अपराध बढ़ रहे हैं, जिससे नागरिकों और व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

मारण ने कहा, पुलिस को पहले भी इन समस्याओं से अवगत कराया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसका नतीजा यह है कि अब पॉश कॉलोनियों में भी लूटपाट और वाहन चोरी की घटनाएं हो रही हैं। हाल ही में व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना ने लोगों में भय का माहौल बना दिया है। मारण ने आरोप लगाया कि शहर में कई रेस्टोरेंट देर रात तक खुले रहते हैं, जहाँ आपराधिक तत्व नशा करते हैं। जुआ और सट्टे की अवैध गतिविधियाँ भी देर रात तक चलती रहती हैं। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पुलिस प्रशासन से इन अवैध गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि समस्याओं पर जल्द ध्यान नहीं दिया तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। कांग्रेस ने एसीपी को ज्ञापन सौंपा है, ज्ञापन सौंपने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण वरिष्ठ नेता त्रिलोक दीपानी घनश्याम लाल वाणी जगदीश सावले नरेन केवलानी अशोक गोकलानी लक्ष्मण वासवानी आदि थे।

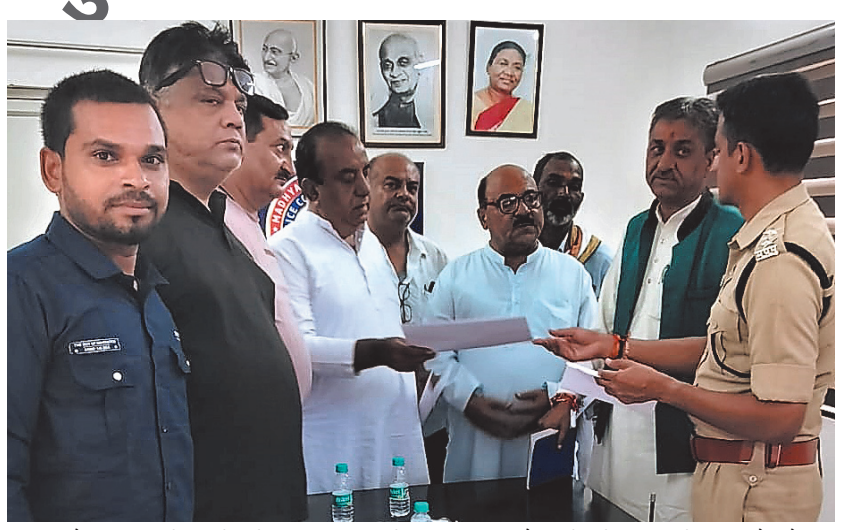

सिंधी सेंट्रल पंचायत ने की स्वदेशी अपनाने की अपील

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की अपील का समर्थन किया है। पंचायत ने समस्त सिंधी परिवारों से घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देने और विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाने का आग्रह किया है। पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, और अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति का मुकाबला करने के लिए देशवासियों को स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि विदेशी कंपनियों के जरिए देश से बाहर जाने वाली पूंजी को भी रोका जा सकेगा। सिंधी सेंट्रल पंचायत ने लोगों से अपने घरों और व्यापार में स्थानीय वस्तुओं को ही प्राथमिकता देने की अपील की है। उन्होंने चीनी, तुर्की, अमेरिकी और अन्य विदेशी उत्पादों का बहिष्कार करने का भी आह्वान किया। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय भाषा, वेशभूषा और उत्सवों को अपनाने पर भी जोर दिया, ताकि हर घर में स्वदेशी भावना का विकास हो सके। पंचायत ने पांच प्रमुख स्वदेशी प्रण भी सुझाए हैं। इनमें विदेशी टूथपेस्ट और साबुन का इस्तेमाल बंद करना, विदेशी ब्रांड के कपड़े और जूते पहनने से बचना, और पेप्सी व कोका-कोला जैसे विदेशी पेय पदार्थों का सेवन न करना शामिल है। पंचायत ने हर सिंधी परिवार से अपनी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा का उपयोग करने की भी अपील की है, ताकि लोगों में स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ सके।

मप्र के ऐतिहासिक नगरी में निकली विशाल तिरंगा यात्रा सीएम मोहन ने किया नेतृत्व

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। राजमाता विजयाराजे सिंधिया चौराहे से विशाल यात्रा का नेतृत्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। सीएम डॉ. यादव खुले वाहन पर सवार यात्रा की शुरुआत की और कहा कि कहा सेना के पराक्रम को नमन करने के लिये हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत वीर सपूतों, बलिदानियों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की धरती ग्वालियर में आयोजित हुई देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

निर्यात में मप्र की रैंकिंग में सुधार अहम संकेत : भाजपा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने विदेशों को होने वाले निर्यात में मध्यप्रदेश की रैंकिंग 15 से 11वें स्थान पर पहुंचने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश और प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धि करार देते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार के कार्यकाल में मध्यप्रदेश तेजी से विकास और समृद्धि की राह पर कदम बढ़ा रहा है तथा देश को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिराती ने कहा कि उद्योगों के क्षेत्र में हासिल इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए संकल्पित है और अब सरकार के इन प्रयासों के परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयार किया नए आयोग का ड्राफ्ट

अब परिसीमन आयोग तैयार करेगा मप्र में चुनाव की जमीन

निकायों व पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण का जिम्मा भी मिलेगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए यदि परिसीमन आयोग बन जाता है तो चुनावी व्यवस्थाओं में बदलाव आ जाएगा। नगर निगम के मेयर, नगर पालिका-परिषद के अध्यक्ष, पंचायत में पंच-सरपंच, जनपद और जिला पंचायत अध्यक्ष के पदों का आरक्षण और वार्डों के परिसीमन का जिम्मा आयोग का रहेगा। दरअसल हाल में राज्य निर्वाचन आयोग ने सरकार से राज्य परिसीमन आयोग बनाने की सिफारिश की है। अभी नगरीय निकायों के लिए ये काम नगरीय प्रशासन विभाग और पंचायतों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग करता है।

परिसीमन आयोग को अधिकार देने की सिफारिश

जानकारी के मुताबिक आयोग ने अपने ड्राफ्ट में केंद्रीय परिसीमन आयोग की ही तरफ राज्य परिसीमन आयोग को भी अधिकार देने की सिफारिश की है। इसमें नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के पुनर्गठन, परिसीमन और परिमार्जन का जिक्र किया है। बताया जाता है कि आयोग के फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। इसके बार में ड्राफ्ट में कहा गया है कि परिसीमन व आरक्षण से संबंधित आयोग के किसी भी फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। केंद्रीय आयोग के फैसले को भी कोर्ट में चुनौती नहीं देने का प्रावधान है।

कलेक्टर कराते हैं वार्डों का परिसीमन

उल्लेखनीय है कि मौजूदा व्यवस्था में नगरीय निकायों के लिए वार्डों का परिसीमन और पदों का आरक्षण नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग का जिम्मा है। जिला कलेक्टर के जरिए वार्डों का परिसीमन कराया जाता है। वहीं पंचायतों के लिए ये जिम्मा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का है। मौजूदा व्यवस्था को लेकर सरकार पर पक्षपात के आरोप लगते हैं। परिसीमन और पदों के आरक्षण के बाद राजनीतिक दल कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं।

मुख्यसचिव स्तर के अफसर को कमान

यदि मप्र में आयोग अस्तित्व में आया तो एक्ट के प्रस्तावित ड्राफ्ट के मुताबिक वह केंद्रीय आयोग की तरह काम करेगा। अभी केंद्रीय आयोग लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन करता है। राज्य का आयोग नगरीय निकायों और वार्डों की सीमा का निर्धारण करेगा। इसके साथ ही महापौर, अध्यक्ष और वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया भी आयोग की जिम्मेदारी होगी। राज्य परिसीमन आयोग का अध्यक्ष मुख्य सचिव रैंक के किसी अफसर को बनाया जा सकेगा। सचिव स्तर से रिटायर तीन अफसर आयोग के सदस्य रहेंगे। सेवा शर्तें वहीं रहेंगी जो राज्य निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष की हैं।

इस व्यवस्था के कई खतरे

इधर मप्र कांग्रेस के चुनाव कार्य व परिसीमन प्रभारी जेपी धनोपिया ने कहा है- मप्र में पहले कभी ऐसी व्यवस्था नहीं रही है। निकाय के चुनाव की प्रक्रियानगरीय प्रशासन विभाग के जरिए होती रही है। सरकार जो नई व्यवस्था लाने की कोशिश में है, वह स्वागतयोग्य नहीं है क्योंकि आयोग अस्तित्व में आएगा तो मनमर्जी से काम करेगा। इससे जनता की आवाज व लोकतांत्रिक व्यवस्था को आघात पहुंच सकता है।

400 सामुदायिक स्वास्थ्य अफसरों की नियुक्ति

दूरदराज के इलाकों में तीस मिनट की दूरी पर होंगी स्वास्थ्य सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र के ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में रहने वाली आबादी को अब अपने घर से अधिकतम 30 मिनट की दूरी पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं देने की कवायद शुरू की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए 400 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति की है। खास बात यह है कि ये पद उच्च प्राथमिकता और आकांक्षी जिलों सीधी, सिंगरौली, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर और डिंडोरी में भरे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक एनएचएम अधिकारियों के अनुसार, इन छह जिलों में कुल 415 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की पदस्थापना आयुष्मान

आरोग्य मंदिरों में की जा रही है। इनकी नियुक्ति के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भावस्था देखभाल, बाल व किशोर स्वास्थ्य, संचारी-असंचारी रोग प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धजन देखभाल, मुख, दंत, नेत्र व ईएनटी रोगों के साथ आपातकालीन सेवाएं भी नजदीक में उपलब्ध होंगी। राज्यभर में स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 12 तरह की समग्र स्वास्थ्य सेवाओं का हेल्थ पैकेज लागू है। यहां 17 प्रकार की पैथोलॉजी जांच और 126 तरह की दवाइयां निशुल्क दी जाती हैं।

आयोजित किए जाएंगे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम

इसके अलावा, योग दिवस, पोषण दिवस जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। बताया जाता है कि प्रदेश में इस समय 12,551 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं। इनमें से 10,189 केंद्रों पर सीएचओ की आवश्यकता थी, जिनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा पद अब भर चुके हैं। हाल ही में चयनित सीएचओ को एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पदस्थापना स्थल के विकल्प चुनने का अवसर दिया था। अब दस्तावेज सत्यापन के बाद संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अंतिम नियुक्ति आदेश जारी करेंगे।

24 जिलों में कलेक्टर लेंगे सलामी

सीएम भोपाल में करेंगे झंडा वंदन, मंत्रियों को मिले जिले

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस पर मंत्रियों के लिए ध्वजारोहण करने जिलों का आवंटन कर दिया है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में होगा और मुख्यमंत्री मोहन यादव इसमें ध्वजारोहण करेंगे। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा जबलपुर और राजेंद्र कुमार शुक्ल शहडोल में ध्वजारोहण करेंगे। 31 जिलों में सीएम और मंत्रियों के अलावा 24 जिलों में कलेक्टर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। अभी विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को भी किसी जिले का मुख्य अतिथि बनाया जा सकता है। इसके अलग आदेश जारी होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथियों की जो सूची जारी की है उसमें कैलाश विजयवर्गीय सतना, प्रहलाद पटेल भिंड और राकेश सिंह के लिए नर्मदापुरम जिला मुख्यालय तय किया है।

विश्वास सारंग खरगोन में करेंगे ध्वजारोहण

विजय शाह रतलाम,करण सिंह मुरैना,उदयप्रताप सिंह बालाघाट, संपतिया उइके मंडला,तुलसी सिलावट बुरहानपुर, निर्मला भूरिया मंदसौर, गोविंद सिंह राजपूत नरसिंहपुर, विश्वास सारंग खरगोन,प्रद्युम्न सिंह पांढुर्ना, कृष्णागौर सीहोर,इंदर सिंह दमोह,चैतन्य कश्यप राजगढ और राकेश शुक्ला श्योपुर में ध्वाजारोहण करेंगे। इंदौर, धार, झाबुआ, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, उज्जैन, देवास, विदिशा, शाजापुर, आगर मालवा, हरदा, नीमच, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, रीवा, सिंगरौली एवं उमरिया जिले में संबंधित जिले के कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

वोट सत्याग्रह की शुरूआत रीवा से

वोट गड़बड़ी मामले में कांग्रेस दो दिन धरना-प्रदर्शन करेगी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र कांग्रेस ने वोटो की गडबडी मामले में आक्रामक तेवर अपना लिये हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि आगामी दो दिन तक मप्र में बीजेपी सरकार के पुतला दहन कार्यक्रम होंगे। आज रीवा से ÷वोट सत्याग्रह÷ की शुरुआत हो रही है। जिसमें नेता प्रतिपक्ष, वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हैं।

इस सत्याग्रह का एकमात्र उद्देश्य है जनता को जागरूक करना और मध्य प्रदेश में वोट चोरी से बनी सरकार का सच उजागर करना है। पटवारी ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ-हानि के लिए नहीं, बल्कि जनता के वोट की पवित्रता को बचाने और संविधान की रक्षा के लिए है।

पटवारी ने मीडिया से कहा कि संविधान की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र की नींव है और इसीसे जनता अपने प्रतिनिधि और सरकार चुनती है। जब इस पवित्र अधिकार के साथ छेड़छाड़ होती है, तो यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के संविधान और लोकतांत्रिक आस्था पर सीधा हमला है। दिल्ली में कांग्रेस व विपक्षी दलों के प्रदर्शन पर पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, तमाम विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने देश में वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षपाती भूमिका के खिलाफ चुनाव आयोग से मिलने जा रहे थे लेकिन जनता की आवाज उठाने के बजाय, सरकार ने सांसदों को हिरासत में ले लिया।पटवारी ने कहा कि अगर भाजपा का रवैया इसी तरह तानाशाहीपूर्ण रहा, तो मध्यप्रदेश की सड़कें जनता के आंदोलन से भर जाएंगी।

मेट्रो एंकर एक पेड़ मां के नाम अभियान में पर चल रहा है पौध रोपण कार्यक्रम

मप्र के शासकीय स्कूलों में 9.90 लाख पौधे रोपे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में %एक पेड़ माँ के नाम 2.0% पौध रोपण अभियान 5 जून 2025 से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा चलाया गया है। अभियान में अब तक करीब 9 लाख 90 हजार पौध रोपित किये जा चुके हैं। लगाए गये पौधों को मिशन लाइफ पोर्टल पर प्रदर्शित भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों के आस-पास और परिसर में पूरी योजना के साथ पौध रोपण के निर्देश दिये गये है। विद्यालयों के प्राचार्यों को लगाए गये पौधों की सुरक्षा के समुचित उपाय किये जाने के निर्देश दिये गए है। प्रदेश में 92 हजार से अधिक शासकीय स्कूल हैं जहां ये अभियान चलाया जा रहा है। पौध रोपण कार्यक्रम आगामी 30 सितम्बर तक विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से संचालित होगा।

शासकीय विद्यालयों में क्लब फॉर मिशन लाइफ का गठन किया गया है। इसके अंतर्गत 15 हजार से अधिक ईको क्लब का गठन किया गया है। ईको

क्लब के माध्यम से पर्यावरण से जुड़े विषयों, निबंध प्रतियोगिता और जल शक्ति अभियान गतिविधियाँ प्रमुख रूप से आयोजित की जा रही हैं।

लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये शालेय खेल कैलेण्डर जारी किया है। कैलेण्डर में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताएँ और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की तिथियाँ घोषित की गई हैं। इस संबंध में संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है।

राज्य स्तरीय जवाहर लाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जवाहर लाल नेहरू हॉकी शालेय प्रतियोगिता की तिथियाँ भी तय कर दी गई है। जूनियर हॉकी टूर्नामेन्ट15 वर्ष से कम आयु वर्ग 8 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक, नेहरू बालिका हॉकी टूर्नामेंट 17 वर्ष से कम आयु वर्ग 19 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक और नेहरू बालक हॉकी टूर्नामेंट 17 वर्ष से कम आयु वर्ग 26 नवम्बर से 6 दिसम्बर 2025 तक तथा इससे जुड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सिवनी में 24 से 30 अगस्त 2025 तक होंगी। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये हैं।

संपादकीय

नसीहतों से सबक की जरूरत

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्यशैली कोई आज या कल से ही चर्चा में नहीं है या किसी एक दो मामले में उसके एक्शन से चर्चा में नहीं है बल्कि लंबे समय से उसके कामकाज के तरीकों पर सवाल उठ रहे हैं। सियासी तौर पर यह सवाल ज्यादा तीखे हैं लेकिन उसकी भूमिका पर यदि अदालतें बार बार टिप्पणी कर रही हैं तो एजेंसी को समझना चाहिए कि उसे अपने स्तर पर कार्यशैली को ज्यादा प्रभावी और विश्वसनीय बनाना होगा। राजनीतिक दलों का तो सीधा ही आरोप है कि ईडी प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई करती है। वहीं उच्च न्यायालयों से लेकर शीर्ष अदालत ने भी निदेशालय को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। यह अफसोसनाक है कि ईडी की जांच में आरोपी बनाए गए लोग दोषी सिद्ध न होने पर भी महीनों विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहते हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि धनशोधन रोकथाम कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों हो रहा है और किसके इशारे पर हो रहा है। इसीलिये चार दिन पहले जब शीर्ष न्यायालय ने भी इस बात पर चिंता जताई है कि धनशोधन मामलों में सजा की दर बहुत कम है, अदालत ने ईडी को सख्त लहजे में चेताया है कि वह किसी गुंडे की तरह काम नहीं कर सकती, उसे कानून के दायरे में रह कर काम करना होगा। अदालत की टिप्पणी ईडी की जांच प्रक्रिया और कार्यशैली पर एक फिर बड़ा सवाल है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जिसमें प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत ईडी की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने पुनर्विचार याचिकाओं की स्वीकार्यता पर सवाल उठाया और कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की टालमटोल की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। अगर इस संस्था की छवि इस कदर नकारात्मक बन रही है, तो इस पर उसे सोचने की जरूरत है। गौरतलब यह है कि शीर्ष न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज पर कोई पिछले महीने भी कहा था कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। यह गंभीर स्थिति है कि न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद आरोपी जेल से बाहर आ जाते हैं। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय न तो अपनी जांच पूरी कर पाता है और न ही उनके खिलाफ आरोप सिद्ध कर पाता है। इस पर विचार किया जाना चाहिए कि अगर ईडी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूत आधार होता है तो दोषसिद्धि की दर दस फीसद से भी कम क्यों है। इस पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने उचित सवाल किया है कि अगर आरोपी बरी हो जाते हैं, तो इसका भुगतान कौन करेगा। यह बेकसूर नागरिकों की स्वतंत्रता का भी सवाल है। माना जाना चाहिये कि ईडी की छवि पर अगर लगातार प्रश्न उठ रहे हैं, तो इसका निवारण अब उसे ऊपरी पर करना होगा। इस संदर्भ में ईडी को शीर्ष अदालत की इस नसीहत पर गौर करने की जरूरत है कि उसे कानून की सीमा में काम करना चाहिए। यहां उल्लेखनीय यह भी है कि राजनीतिक तौर पर देश की कई सरकारी संस्थाओं की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं बल्कि यह तीखे भी होते जा रहे हैं। हालांकि इस तरह के आरोप या आशंका पुरानी ही हैं कि इन एजेंसियों का %इस्तेमाल% होता है, मगर आरोपों का सिलसिला लगातार बढता और तीखा होता रहे तो सिर्फ सुधार व आत्मचिंतन ही जरूरत होता है।

मुश्किलों से भरे वक्त में हमारे सामने दो रास्ते होंगे - एक सही और एक आसान।
- जे.के. रोलिंग

निशाना

आग ना लगाओ !

- कृष्णेन्द्र राय

व्यर्थ की इन बातों को ।
मुद्दा ना बनाओ ।।
और भी हैं मुद्दे ।
उनको राह दिखाओ ।।
शांति और खुशहाली में ।
आग ना लगाओ ।।
क्या सही क्या ग़लत ।
जन जन तक पहुंचाओ ।।
तूल देने से बचो ।
बातें व्यर्थ वालीं ।।
बन रहा है कब से ।
पुलाव बस ख़याली ।।
हवा हवाई से केवल ।
है होता नुकसान ।।
देर हो रही होने में ।
पुनः विराजमान ।।

आज का इतिहास

- **2000 :** रूसी नौसेना की पनडुब्बी कुर्स्क एक सैन्य अभ्यास के दौरान बैरेंट्स सागर में विस्फोट और डूब गई और अपने पूरे 118 व्यक्तियों के दल को मार डाला था।
- **1994 :** मेजर लीग बेसबॉल खिलाड़ी 1994 की विश्व श्रृंखला को रद्द करने के लिए मजबूर हुए थे।
- **1992 :** कनाडा, मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (एनएएफटीए) के लिए बातचीत पूरी करने की घोषणा की थी।
- **1985 :** जापान एयरलाइंस फ्लाइट 123 जापान के गुंमा प्रीफेक्चर में ओसुताका रिज में दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है जिसमें 520 की मौत हो गई।
- **1981 :** आईबीएम ने पर्सनल कंप्यूटर जारी किया गया था।
- **1964 :** देश की जातिवादी नीतियों के कारण दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया था।
- **1960 :** नाको का पहला सफल संचार उपग्रह इको 1 ए लॉन्च किया गया था।
- **1944 :** फ्रांसीसी सेनाओं द्वारा नाज़ियों से मुक्त होने के लिए फ्रांस के पहले शहर जनरल फिलिप लेक्लेर डी हौटक्लोक द्वारा एलेनकॉन को मुक्त किया गया था।
- **1914 :** ब्रिटेन ने ऑस्ट्रिया और हंगरी पर आक्रमण की घोषणा की थी।
- **1833 :** अमेरिका में शिकागो शहर की स्थापना हुई थी।
- **1831 :** नीदरलैंड और बेल्जियम ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- **1602 :** मुगल बादशाह अकबर के दरबार में मंत्री अबुल फजल को सलीम मिर्जा की शह पर कत्ल कर दिया गया। सलीम ने बाद में जहांगीर के नाम से मुगल सल्तनत संभाली।
- **1765 :** इलाहाबाद संधि के तहत भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन में दखल की शुरुआत।
- **1831 :** नीदरलैंड और बेल्जियम के बीच शांति समझौता।

संसद में मार्शल द्वारा जबरन बाहर निकालने की मिसालें

■ आलोक मेहता

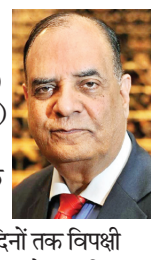

राज्य सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के अंदर (वेल) में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (ष्टढ्ढस्स्र) के कर्मचारियों की तैनाती को अत्यंत आपत्तिजनक। बताया।ज 2-5 अगस्त तक राज्यसभा में विपक्ष लगातार इस मुद्दे पर हंगामा करता रहा, एवं मॉनसून सत्र में कई दिनों तक विपक्षी सांसद प्रदर्शन जारी रखा। उपसभापति हरिवंश ने स्पष्ट किया कि इस सुरक्षा बल के कर्मियों की तैनाती सरकार द्वारा नहीं, बल्कि सभामंडल सुरक्षा हेतु की गई है, और ÷राज्यसभा का संचालन गृह मंत्रालय या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सदन में सुरक्षा बल की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है; वे ÷संसद की ही सुरक्षा व्यवस्था का अंग÷ हैं, और कवायद सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए हुई है। केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ये निर्णय सभापति द्वारा ही लिए गए थे, ताकि सदन कार्यवाही में शांति बनी रहे।उन्होंने विपक्ष की आपत्तियों को ÷गलत तथ्यों पर आधारित भ्रामक बयानबाजी÷ बताया। तथ्य यही है कि 13 दिसंबर 2022 के लोकसभा के अंदर बाहरी लोगों के घुसने के हंगामे के बाद, सम्पूर्ण संसद की सुरक्षा व्यवस्था केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सौंप दी गई। मई 2024 से संसद सुरक्षा बल की भूमिका बढ़ी और अंदरूनी कार्यक्षेत्र में सुरक्षा की जिम्मेदारी उन्हें दे दी गई।

इस बार के हंगामे और विवाद पर मुझे संसद में 1971 , 1973 , 1974 के दौरान प्रमुख सोशलिस्ट नेता राजनारायण सभापति के आदेश पर मार्शलों द्वारा कई बार बाकायदा कन्धों पर उठाकर सदन से बाहर निकाले जाने की घटनाएं याद आई। मैं 1971 से पत्रकार के रुप में संसद की कार्यवाही देखता और लिखता रहा हूँ। उस समय संसद की कार्यवाही का टीवी प्रसारण नहीं होता था। संसद के कर्मचारी विवरण शार्ट हेंड से लिखकर रिकॉर्ड करते थे। तब एजेंसी के संवाददाता होने से मुझे लगातार सदन की प्रेस दीर्घा में बैठना होता था। इसलिए उन बातों का ध्यान है। राजनारायण दवरा बार-बार राज्यसभा में आंदोलनात्मक, आक्रामक और अशोभनीय भाषा का प्रयोग करने से सदन की कार्यवाही में बाधा आई। वह सभापति की चेयर के सामने नीचे धरना देकर बैठ जाते थे। तब सदन के नियमों की अवहेलना के कारण उन्हें सभापति के आदेश पर मार्शलों द्वारा कई बार बाकायदा कन्धों पर उठाकर सदन से बाहर निकाला गया। जहाँ तक मुझे स्मरण है उस समय सभापति उप राष्ट्रपति गोपाल स्वरुप पाठक होते थे। राजनारायण एक प्रखर समाजवादी नेता थे, जो कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यशैली के प्रबल विरोधी थे। उन्होंने बार-बार संसद में नियमों को चुनौती दी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दे उठे। उनके मामलों ने यह सवाल भी उठाया कि कब विरोध जायज होता है और कब वह संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है।उन्होंने बार-बार संसद में नियमों को चुनौती दी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दे उठे। उनके मामलों ने यह सवाल भी उठाया कि कब विरोध जायज होता है और कब वह संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है।

राज्यसभा और लोकसभा में मार्शलों का प्रयोग केवल अत्यधिक असाधारण परिस्थितियों में किया जाता है, जब सदन की गरिमा, सुरक्षा और कार्यवाही को बनाए रखने में बाधा उत्पन्न होती है। भारतीय संसदीय इतिहास में कुछ उल्लेखनीय घटनाएं हैं जब सांसदों को सदन से बाहर निकालने के लिए मार्शलों का सहारा लिया गया।

लोकसभा में 1989 में जब बोफोर्स तोप घोटाले पर विपक्ष ने हंगामा किया, तब कई बार मार्शल्स बुलाए गए ।जनता दल और भाजपा के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास जाकर नारेबाजी की। राज्यसभा में 2010

महिला आरक्षण बिल पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी और राजद के सांसदों ने भारी विरोध किया।7 सांसदों को

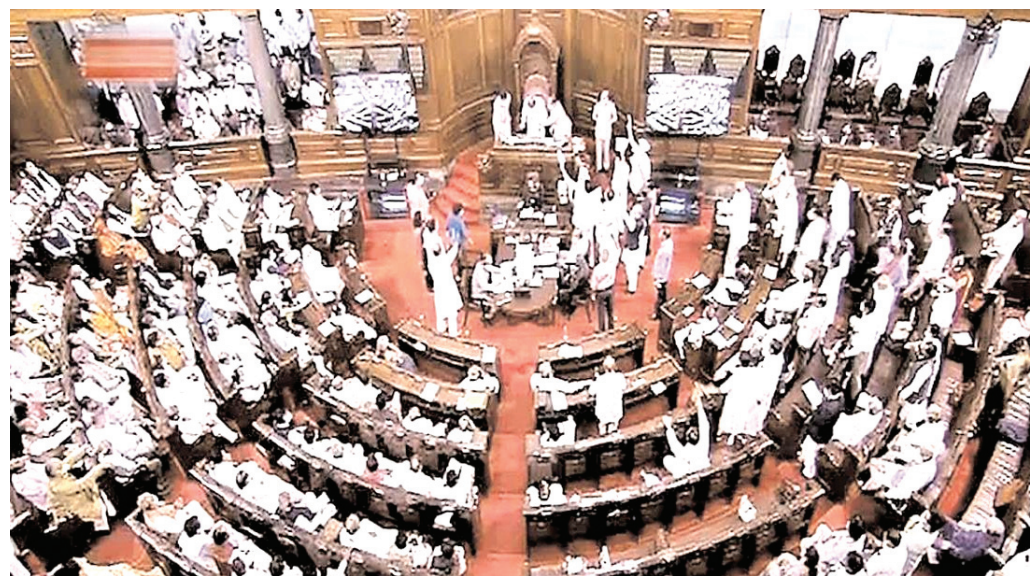

मार्शलों द्वारा बाहर निकाला गया। यह एक अत्यंत दुर्लभ घटना थी जब इतने सांसदों को एकसाथ राज्यसभा से निकाला गया। मार्शल्स संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखने के लिए होते हैं। सभापति (राज्यसभा) या अध्यक्ष (लोकसभा) के आदेश पर ही वे किसी सदस्य को बाहर निकाल सकते हैं। आमतौर पर सदस्य को पहले नाम लेकर चेतावनी दी जाती है, उसके बाद भी नियम तोड़ने पर सस्पेंड या सदन से बाहर करने का आदेश दिया जाता है।

ष्टढ्ढस्स्र को संसद भवन की सुरक्षा सौंपने का निर्णय भारत सरकार का एक मजबूत कदम है। इससे संसद की सुरक्षा न केवल पहले से अधिक तकनीकी और सुसंगठित हुई है, बल्कि किसी भी आतंकी या आंतरिक खतरे से बचाव की क्षमता भी बढ़ी है। संसद के अंदर 2022 में हुई एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना ने पूरे देश को चौंका दिया था। जो कि 2001 के संसद हमले की 21वीं बरसी भी थी। इस दिन संसद के अंदर कुछ अज्ञात घुसपैठियों ने अचानक से विरोध प्रदर्शन किया और सुरक्षा प्रणाली को चुनौती दी। संसद भवन में चल रही कार्यवाही के दौरान, 2 व्यक्ति दर्शक दीर्घा से अचानक नीचे कूद गए। उन्होंने अपने हाथों में धुआं छोड़ने वाले रंगीन गैजेट्स/कार्ट्रिज पकड़े हुए थे जिससे पीला और हरा धुआं निकलने लगा। साथ ही लोकसभा के बाहर (गेट नंबर 1) पर भी 2 अन्य प्रदर्शनकारी प्रदर्शन कर रहे थे और धुआं छोड़ने वाले यंत्रों का प्रयोग कर रहे थे।घटना ने संसद जैसी संवेदनशील जगह की सुरक्षा में गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इसने यह भी स्पष्ट किया कि केवल बाहर की ही नहीं, अंदरूनी सुरक्षा प्रक्रिया में भी सुधार की आवश्यकता है। इसके बाद संसद की सुरक्षा को और अधिक हाई-टेक और सख्त बनाया गया है।मार्शल्स का उपयोग आमतौर पर उच्च स्तर पर सदन की गरिमा बनाए रखने, वेल में अनुशासन सुनिश्चित करने, और सदस्यीय गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए किया गया। जबकि नियम 256 (राज्यसभा) और नियम 374 (लोकसभा) के अंतर्गत सांसदों को सस्पेंड किया जा सकता है , लेकिन मार्शल्स को भीतर भेजना 2021 में कांग्रेस और अन्य दलों द्वारा अत्यधिक विरोध और हंगामे के कारण आवश्यक हुआ। सांसदों द्वारा–पेपर फाड़ना, वेल में आना, मार्शल्स से भिड़ना–इन घटनाओं ने यह दर्शाया कि संसदीय लोकतंत्र में विवाद और अनुशासन के बीच संतुलन आवश्यक है।हाँ कुछ संपादकों और राजनीतिक विशेषज्ञों का यह तर्क उचित है कि संसद की बाहरी सुरक्षा और अंदर की व्यवस्था में अंतर होना चाहिए । अंदर के सुरक्षा कर्मचारियों की ड्रेस पुलिस जैसी न रहे और उन्हें अति आधुनिक हथियारों से लैस न रखा जाए । सदन में उन्हें किसी हथियारों से मुक़ाबला नहीं करना होता है । बहरहाल उम्मीद की जाए कि संसद में नियमों का पालन हो , विरोध की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन न हो और भविष्य में सदन में बहस , सहमति असहमति , विरोध , बहिर्गमन से आगे टकराव की नौबत न आए ।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

गाज़ा युद्ध खत्म क्यों नहीं करना चाहते बेंजामिन नेतन्याहू, क्यों सेना की भी नहीं सुन रहे हैं

■ नगमा सहर

गाज़ा में अब भुखमरी एक हकीकत है, ताज़ा हालात ये हैं कि गाज़ा में बम-बारूद से कम भूख और कुपोषण से लोग ज्यादा परेशान हैं. इजरायल भले इससे इंकार करता रहा हो लेकिन अब तो ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने भी अपने दौरे के बाद इसकी पुष्टि कर दी है कि हालत बेहद खराब हैं. यानी इजरायल का मददगार अमेरिका भी अब इजरायल को संभाल नहीं पा रहा है. गाजा में इजरायली जुल्म से लोग बेघर और विस्थापित तो हुए ही अब नन्हें बच्चे तक भूख से बिलख रहे हैं. गाज़ा के अलशफा अस्पताल के एक अधिकारी के मुताबिक, इस साल 21 छोटे बच्चों की मौत सिर्फ भूख की वजह से हुई है. इससे साफ़ है कि सिर्फ बम और गोलियों से नहीं, गाज़ा में भूख भी जान ले रही है. गाज़ा में हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि थोड़े से अनाज के लिए लोग आपस में मारपीट करने को तैयार हैं. गाजा के स्वास्थ मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में शुरू हुए इस युद्ध में भुखमरी से अब तक 175 लोग मारे गए हैं. एक मानवीय त्रासदी आंख फाड़े दुनिया से उम्मीद लगाए हुए है और दुनिया ने अमेरिका के नेतृत्व में अपना मुंह मोड़ा हुआ है. इस बीच घरेलू मोर्चे पर लगातार विरोध को दरकिनार कर इजरायल की राजनीतिक और सुरक्षा मामलों की कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उस योजना को मंजूरी दे दी है, जिमसें पूरी गाज़ा पट्टी पर नियंत्रण की बात की गई है।

इस बीच इजरायल का बंधक संकट गाजा पर इन तमाम हमलों के बाद भी बना हुआ है. इजरायल अपने बंधक अब तक छुड़ा नहीं पाया और हमास ने बंधकों का एक प्रपोगांडा विडियो जारी किया है, जिसमें कंकाल बना 24 साल का एक बंधक गाजा की एक सुरंग में अपनी ही कब्र खोदता नजर आ रहा है. वो कह रहा है कि मेरे पास वक्त खत्म हो रहा है. इजरायल में इस भयावह दृश्य की एक झलक से लोगों में गुस्सा और रोष है. सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले में ये लोग बंधक बनाए गए, इजरायल ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की लेकिन 22 महीनों के बाद भी बंधक वहीं हैं, भले ही गाजा की आधी से ज्यादा आबादी बेघर है, भूखी प्यासी है, गाजा पट्टी समतल हो गई है, लेकिन बंधक भी नहीं छूटे हैं. इजरायली अधिकारियों के मुताबिक हमास के कब्जे में अभी भी करीब 20 बंधक हैं. इस वीडियो के जारी होने के बाद नेतन्याहू और आक्रामकता दिखाते हुए पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना बनाई है. उन्होंने गाजा पट्टी पर पूरा कब्जा करने का आदेश जारी किया है. लेकिन गाजा के लिए नेतन्याहू का युद्ध प्लान घरेलू , अंतरराष्ट्रीय और खुद सेना की मर्जी के खिलाफ है. किंग्स कॉलेज लंदन में प्रोफेसर आहरोन बर्गमन ने क़तर के टीवी चैनल %अल जजीरा% से कहा कि नेतन्याहू युद्ध जारी रखना चाहते हैं. नेतन्याहू पर ये आरोप इजरायल में भी लग रहे हैं। कई इजरायली जानकार और बंधकों के परिवार भी नेतन्याहू पर आरोप लगा रहे हैं कि वो गाजा युद्ध को अपने गठबंधन को बचाने के लिए खींच रहे हैं. ये सिर्फ बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू बीबी के नाम से भी जाने जाते हैं.) की राजनीतिक चाल है. वो 2019 से राजनीतिक तौर पर भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे हुए हैं।

नेतन्याहू की ताजा आक्रमकता का क्या कारण है इस पर कई राय है. कुछ लोग मानते हैं कि यह हमास को बातचीत के लिए मजबूर करने की चाल है. वहीं कुछ का मानना है कि यह हमास को पूरी तरह खत्म करने का प्रयास है. ताकि गाजा की बची हुई आबादी को भी कंसंट्रेशन कैंप्स में ठेला जा सके। सेना में थकान है. नेतन्याहू के युद्ध बढ़ जाने के नए प्लान से सेना भी खुश नहीं है.सेना में स्ट्रेस डिसआर्डर रिपोर्ट किए गए हैं, कई मामले इनकार के भी सामने आए हैं, जब लोगों ने सेना ज्वाइन करने से इनकार किया है. सैनिकों की संख्या कम पड़ रही है.सैन्य जानकार मानते हैं कि नेतन्याहू का पूरे गाजा पर कब्जा करने का प्लान संभव नहीं हो पाएगा. कब्जा करने और बनाए रखने के लिए एक बड़े संसाधन और सैनिकों की जरूरत होगी. इजरायल की जनता भी अब इस मुद्दे पर बंटी हुई है. घरेलू विरोध इतनी बड़ी सेना जुटाने में रुकावट बनेगा. इजरायल में जगह-जगह अब इस युद्ध को खत्म करने के लिए प्रदर्शन हो रहे हैं.इजरायल में नेतन्याहू और उनके राइट विंग समर्थक को छोड़ युद्ध से कोई खुश नहीं है। सेना के चीफ आफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर युद्ध को बड़ा करने के विरोध में हैं. इजरायली सेना के 600 पूर्व वरिष्ठ सैनिकों ने ट्रंप को खुली चिट्ठी लिखी है कि वो युद्ध खत्म करवाएं. जनता पहले ही युद्ध से थकी हुई है, कोई और एस्कलेशन पब्लिक को मंजूर नहीं. जनता के बीच किए गए पोल्स दिखाते हैं कि लोग सीजफायर डील न हो पाने पर नेतन्याहू के बहानों से तंग आ गए हैं. इजरायल के %चैनल 12% पर मई के महीने में किए गए पोल्स बताते हैं कि ज्यादातर इजरायली ये मानते हैं कि नेतन्याहू को युद्ध जीतने से ज्यादा सत्ता प्यारी है जिसे वो किसी हाल में खोना नहीं चाहते हैं. ये पूरी लड़ाई नेतन्याहू के पॉलिटिकल सर्वाइवल की है।

साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।

शिक्षिका की हत्या के बाद पुलिस की सक्रियता के दावों की पोल खुली

सिरोंज में अपराधी दे रहे पुलिस को चुनौती, वकील के घर से लाखों का माल उड़ाया और ताला बदल कर भाग निकले

चोरों ने घर के 3 कमरों सहित 5 तालों को तोड़ा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर में चोरों का आतंक लगातार बना हुआ है। इस बार चोरों ने एक वकील के घर को निशाना बनाया। भोपाल रोड पर नहर के पास स्थित पार्थ सिटी कॉलोनी में सूने घर में अज्ञात चोर घुसे और लाखों का माल साफ़ कर दिया। यहां रहने वाले वकील अमरसिंह कुशवाह ने शनिवार 9 अगस्त को रक्षाबंधन की दोपहर अपनी पत्नी शकुन कुशवाह को उनके मायके जाने के लिए गंज बासौदा की बस से भेजा था। इसके बाद घर का ताला लगाकर वे खुद अपने गावं कजरी मड़वासा रवाना हो गए। गांव से वे सोमवार को जब वापस लौटे तो घर के दरवाजे पर लगा ताला बदला हुआ दिखाई दिया। उन्होंने अपने पास मौजूद चाबी ताले में लगाकर देखी तो वह भी नहीं लगी। इस बीच उन्हें दरवाजे के पास में एक चाबी दिखाई दी तो उन्होंने उसे ही उठाकर ताले में लगाया। इस चाबी से ताला खुल गया। जब वे घर भीतर पहुंचे तो हैरान रह गए। वे हर कमरे और किचन में ताला डालकर गए थे। वे सभी ताले टूटे हुए थे और इन कमरों में रखा सामान बिखरा पड़ा था। घर में चोरी होने की जानकारी से उन्होंने तुरंत ही अपने वकील साथियों और पुलिस को अवगत कराया।

पुलिस के आला अधिकारियों के दौरों का भी नहीं हो रहा असर

बीते 7 अगस्त को शहर की सारथी सिटी 2 कॉलोनी में दिनदहाड़े शिक्षिका की हत्या की वारदात भी हो चुकी है। इस घटना के बाद एसपी और एडिशनल एसपी का दौरा भी शहर में हो चुका है। पुलिस की टीमें भी लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई और इसी बीच एक बार फिर चोरों ने वारदात कर डाली। एसडीओपी सिरोंज सोनू डाबर का कहना है कि सभी मामलों में हमारी टीम जांच कर रही है। चोरी की वारदातों के साथ ही हत्या के मामले में भी जांच चल रही है। सभी मामलों में सीसी टीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन भी सर्च की जा रही है। जल्द ही आरोपी हमारी गिरफत में होंगे।

लगातार हो रही हैं चोरियां

शहर में अपराधिक तत्व एक तरह से पुलिस को चुनौती देते दिखाई दे रहे हैं। चोरी की वारदात लगातार हो रही है। 5-6 अगस्त की रात में बायपास रोड पर बटैया सरकार मंदिर के सामने कुशवाह परिवार के घर से ही अज्ञात चोर 3 लाख रूपए कीमत की भैंस चुरा कर ले गए थे। 23-24 जुलाई की रात में देवपुर में स्थित प्राचीन जैन मंदिर में चोरों ने वारदात की थी। इसके पहले 22-23 जुलाई की रात में अज्ञात चारों ने गोकुलधाम कॉलोनी में 2 सूने घरों में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इन सभी वारदातों के आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सके हैं।

प्लाट बेचने के बाद मिले थे 2.50 लाख रूपए

अमरसिंह ने बताया कि चोरों ने घर के किसी भी हिस्से को नहीं छोड़ा। पेटी और अलमारियों में रखे सामान को बिखेरने के साथ ही किचन के डब्बों तक को खंगाला। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले ही प्लाट बेचा था। उसके ढाई लाख रूपए घर में ही रखे थे। वो चोरी हो गए हैं। इसके अलावा सोने के मोती और पेंडिल वाले दो मंगलसूत्र के साथ ही चांदी की 2 करधोनी, पायल, 4 कंगन और एक हाथ फूल भी चोरी हुआ है।

नहर के पास पहुंचकर लौट आया पुलिस डॉग

चोरी की जानकारी लगने पर सिरोंज पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटना स्थल थाना परिसर और एसडीओपी कार्यालय से एक किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। दोपहर में विदिशा से एफएसएल टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान टीम के साथ आया डॉग नहर के पास तक पहुंचा और वहां से लौट कर वापस आ गया।

विधायक ने सीएम से भेंट कर भुजरिया प्रदान कर विकास कार्यों की दी जानकारी

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा ने सोमवार को भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव से भेंट कर उन्हें विधानसभा क्षेत्र के लोगों की ओर से भुजरियों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने सीएम को भुजरिया पर्व से जुड़ी क्षेत्र की लोक परंपराओं से अवगत कराने के साथ ही क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं और प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी भी दी।

नगर में साफ सफाई कर दिया संदेश

गंजबासौदा। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान अंतर्गत सोमवार को जनपद पंचायत में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवेन्द्र सिंह रघुवंशी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी तपस्या जैन सहित समस्त जनपद स्टाफ से जनपद परिसर में झाड़ू लगाकर साफ सफाई की एवं कचरे को डिस्टविन में डाला गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जनपद सीईओ तपस्या जैन ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। अभियान में प्रतिदिवस ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। सोमवार को स्वच्छता के साथ-साथ ग्राम पंचायतों में वाहन रैली का भी आयोजन किया गया।

15 दिवसीय झूलन महोत्सव का समापन

गंजबासौदा। नौलखी धाम के इस पावन आंगन में 15 दिवसीय झूलन महोत्सव की समापन बेला थी। सैकड़ों श्रद्धालु अपने हाथों में माला और आंखों में भक्ति का नीर लिए आए थे। सभी की प्रतीक्षा बस उस क्षण की थी जब झूले में विराजमान सीताराम जी की जीवंत झांकी के दर्शन होंगे। झांकी इतनी सजीव कि लगता जैसे अयोध्या का राजदरबार यहां उतर आया हो। राजसी वस्त्र, मोती जड़ित आभूषण, और चंदन-कस्तूरी की सुगंध से भरी वह झांकी भक्तों के मन में रामभक्ति की धारा प्रवाहित कर रही थी। पूर्णिमा की धवल चांदनी अपनी रजत किरणों से वेत्रवती तट को स्नान कराती, और मंद समीर में लहराते झूले पर विराजमान नन्हे मुन्ने बच्चों के रूप में सीताराम की जीवंत झांकी से भक्तों का हृदय भक्ति-रस से आह्लादित था। नौलखी आश्रम के महंत राम मनोहर दास ने इस अवसर पर कहा कि ईश्वर की आराधना तब पूर्ण होती है जब उसमें संगीत का स्वर, संस्कार की रेखा, संवेदना का दीपक और समर्पण की बाती साथ हों, यही झूलन उत्सव हमें सिखाता है।

13 अगस्त को निकलेगी शोभायात्रा

सिरोंज। जाहरवीर गोगा जी महाराज का छड़ी महोत्सव 13 अगस्त को मनाया जाएगा। जाहरवीर ओंकारदास मंडल द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में 13 अगस्त को जाहरवीर गोगा जी महाराज की विशाल छड़ी शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो दोपहर 12 बजे छतरी नाका चौराहा से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए नया बस स्टैंड पहुंचकर समाप्त होगी। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

20 घंटे की मशक्कत के बाद मिला सहस्त्रधारा में डूबे साहिल का शव

दोस्तों संग आया था पिकनिक मनाने

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

सहस्त्रधारा जलप्रपात में रविवार को डूबे इंदौर निवासी साहिल खान का शव सोमवार को बरामद कर लिया गया। स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ टीम ने करीब 20 घंटे के लंबे सर्च ऑपरेशन के बाद गहरे पानी से शव बाहर निकाला।

स्थानीय गोताखोर भरत गाडगे ने बताया कि उनकी टीम के निक्की दायमा, जयपाल मानवे, राहुल गारी, राजा दायमा और संजय केवट रविवार शाम 5 बजे से ही साहिल की तलाश में जुटे थे। सोमवार सुबह 8 बजे से पुनः खोजबीन शुरू की गई। एसडीआरएफ टीम प्रभारी नरेंद्र पांचाल के अनुसार, सुबह 11:40 बजे स्थानीय नाविकों की मदद से साहिल का शव मिला। प्रधान आरक्षक एम.एल. सिसोदिया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। साहिल इंदौर में खिड़की-दरवाजे लगाने का काम करता था और अपने परिवार का इकलौता पुत्र था। रविवार को वह अपने स्कूल के करीब 11 दोस्तों के साथ सहस्त्रधारा पिकनिक मनाने आया था। खाना बनाने के दौरान वह और एक अन्य युवक नदी में नहाने चले गए, जहां डूबने से दोनों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजन कल से ही घटनास्थल पर व्याकुल होकर तलाश में डटे थे, लेकिन अब उनका चिराग बुझ चुका है।

डायल-100 चालक पर हमला: आरोपियों के खिलाफ पुलिस सख्त

आरोपियों को गिरफ्तार कर निकाला जुलूस

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

ग्राम कोटलाखेड़ी में डायल-100 चालक के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ सिवनी मालवा पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। घटना के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर सिवनी मालवा थाने से तहसील कार्यालय तक आरोपियों को पैदल एसडीएम न्यायालय में पेश करने के लिए ले जाया गया। शनिवार रात सिवनी मालवा पुलिस को ग्राम झिल्लाय से एक सड़क दुर्घटना की खबर मिली थी। डायल-100 वाहन मौके की ओर जा रहा था, तभी कोटलाखेड़ी के पास कुछ लोगों ने गाड़ी को हाथ देकर रोका। जैसे ही वाहन रुका, आरोपियों ने गाड़ी की चाबी निकाल ली और पायलट पर डंडे से हमला कर दिया। बाद में पुलिसकर्मी को पहचानने पर आरोपी मौके से भाग गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेश दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और 7 आरोपियों को राउंडअप किया। पुलिस ने इन आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें सख्त चेतावनी दी। इस दौरान आरोपियों को हथकड़ी लगाकर पुलिस बल के बीच पैदल ले जाया गया। थाना प्रभारी राजेश दुबे ने कहा कि पुलिस पर हमला गंभीर अपराध है और इसमें किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। आरोपियों के खिलाफ धारा 151, 126बी, 135 बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियों में आयुष मेहरा पिता सुरेन्द्र मेहरा उम्र 18 वर्ष निवासी आवलीघाट, दीपक धनवारे पिता रविशंकर धनवारे उम्र 22 वर्ष निवासी कोटलाखेड़ी, राजीव खरे पिता रामसिंह खरे उम्र 21 वर्ष निवासी कोटलाखेड़ी, कुलदीप दामरे पिता राधेश्याम दामरे उम्र 32 वर्ष निवासी चौतलाय, नितिन बामने पिता विनोद बामने उम्र 26 वर्ष निवासी कोटलाखेड़ी, जीतेन्द्र धनवारे पिता जगदीश धनवारे उम्र 28 वर्ष निवासी कोटलाखेड़ी, राहुल खरे पिता पूनम खरे उम्र 28 वर्ष निवासी कोटलाखेड़ी शामिल है।

लाखा बंजारा झील में निकली तिरंगा यात्रा

सागर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, लाखा बंजारा झील में आयोजित की गई तिरंगा यात्रा में सागर महापौर संगीता सुशील तिवारी शामिल हुई। इस दौरान नागरिकों के भारत माता की जय के नारे लगाए गए।

यूरिया न मिलने से फूटा किसानों का गुस्सा, घंटों ट्रैफिक जाम

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

यूरिया खाद समय पर न मिलने से परेशान किसानों का सब्र का बांध टूट गया और नाराज किसानों ने सड़क पर जाम लगा दिया। त्योंदा रोड स्थित सरकारी वेयरहाउस पर यूरिया लेने पहुंचे किसानों को निराशा हाथ लगी। इससे नाराज किसानों ने सड़क पर ट्रैक्टर-ट्रॉली और मोटरसाइकिलें खड़ी कर जाम लगा दिया। किसान यूरिया की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे।

किसानों ने बताया कि उन्हें वेयरहाउस से यूरिया मिलने की सूचना मिली थी जिसके कारण वे रविवार रात से ही अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ लाइन में लग गए थे। लेकिन सोमवार सुबह वेयरहाउस के कर्मचारियों ने बताया कि अब यूरिया खाद यहां से नहीं, बल्कि सोसायटियों से मिलेगी। इससे गुस्साए किसानों ने सड़क पर ही धरना देना शुरू कर दिया और चक्का जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार, सिटी थाना प्रभारी और यातायात प्रभारी मौके पर पहुंचे। और उन्होंने किसानों से बातचीत की और सरकारी वेयरहाउस पर मौजूद कर्मचारियों से चर्चा कर समाधान निकाला। इसके बाद किसानों को टोकन के माध्यम से यूरिया खाद का वितरण शुरू करवाया गया। तब जाकर किसानों ने अपना चक्का जाम खत्म किया।

मेट्रो एंकर अचानक मिली खबर से घबराए डॉक्टर जल्दबाजी में पहुंचे अस्पताल

निरीक्षण में स्टाफ नदारद मिला तो अटेंडेंस रजिस्टर साथ ले गए कलेक्टर

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश की जिलों में मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलने की शिकायतें आम हैं लेकिन हालात सुधर नहीं रहे हैं। ऐसा ही मामला अशोकनगर जिले के कलेक्टर आदित्य सिंह के निरीक्षण में सामने आया। वे सुबह नौ बजे अचानक ही अस्पताल पहुंच गए। जहां पर उन्हें अस्पताल की कुर्सियां खाली मिली और अटेंडेंस रजिस्टर में भी कर्मचारी अनुपस्थित दिखे। जिसके बाद उन्होंने रजिस्टर को अपने कब्जे में ले लिया और अपने साथ ले गए। कलेक्टर ने अस्पताल के ओपीडी कक्ष, मैटरनिटी विंग, पैथोलॉजी लैब, एनआरसी जैसे कई जगहों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगहों पर अव्यवस्था मिली और कई कर्मचारी और डॉक्टर मौजूद नहीं थे। कलेक्टर ने अव्यवस्थाओं को दूर करने के आदेश दिया।

खबर लगते ही जल्दबाजी में पहुंचा स्टाफ

पैथोलॉजी लैब नहीं खुलने पर ऑपरेटर धर्मेंद्र शर्मा, दिलीप शर्मा का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने अस्पताल में लाइटिंग बढ़ाए जाने का भी निर्देश दिया। टीकाकरण कक्ष को दूसरी जगह शिफ्ट करने और टूटी कुर्सियों को दुरुस्त करवाने के साथ-साथ नया फर्नीचर लगाने को कहा। वहीं दूसरी ओर जब कलेक्टर के अस्पताल पहुंचाने की जानकारी डॉक्टरों और स्टाफ को मिली तो वे तुरंत अपने आवास से निकलकर जल्दबाजी में अस्पताल पहुंचे।

मेडिसिन रूम का किया निरीक्षण

कलेक्टर सिंह ने अस्पताल के मेडिसिन स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खुद एक-एक आलमारी को चेक किया। उसमें रखे कार्टन को खोलकर देखा और उसमें रखे सामान की जानकारी ली। स्टोर प्रभारी को निर्देश दिया कि वह यहां पर उपलब्ध हर सामग्री और दवाओं की सूची कलेक्टर को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्टोर रूम में सीसीटीवी लगाने का भी निर्देश दिया।

आंगनवाड़ी में डर, बच्चों की जगह घूम रहे जहरीले सांप

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

शहर की एक आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता और बच्चे सापों के डर से सहमे हुए हैं। आंगनवाड़ी में आए दिन सांप एक से दूसरे कमरे में रेंगते नजर आते हैं। स्थिति यह हो गई है कि आंगनवाड़ी का ताला खोलने में भी डर लगने लगा और बच्चों ने आना छोड़ दिया। कुछ दिन से आंगनवाड़ी पर ताले पड़े हैं और मजबूरी में इस केंद्र को नजदीक की संचालित करना पड़ रहा है। आंगनवाड़ी में सांपों के खतरे के साये का यह मामला उज्जैन के वार्ड 16 स्थित नगर कोट आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति गौड़ व सरस्वती आंठिया ने महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी को पत्र लिख आंगनवाड़ी में सांप निकलने की जानकारी दी है। पत्र में उन्होंने बताया है कि सुबह जब वे आंगनवाड़ी का ताला खोलकर प्रवेश करती हैं तो उन्हें विषैले सांप एक कमरे से दूसरे कमरे में जाते हुए दिखते हैं। आए दिन एसी घटना हो रही है। आंगनवाड़ी के कमरे की जमीन पर जगह-जगह सुराख है जिसमें सांप रहते हैं। छोटे बच्चों के साथ कभी भी कोई हादसा हो सकता है।

सूने पड़े कमरे में डर से लोगों ने आना छोड़ा

हाईकोर्ट ने एविएशन मिनिस्ट्री और निजी विमान कंपनियों को दी चेतावनी

उड़ानों में सुधार नहीं हुआ, तो जबलपुर एयरपोर्ट बंद कर दिया जाएगा, अन्य उड़ानों पर भी लगाएंगे रोक

जबलपुर, एजेंसी।

हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजनल बेंच में हुई सुनवाई में जबलपुर से उड़ानों की संख्या घटने और सीधी फ्लाइट्स की कमी पर संज्ञान लेते हुए कड़ा रुख दिखाया गया। कोर्ट ने एविएशन मिनिस्ट्री और निजी विमान कंपनियों को चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा कि यदि उड़ानों में सुधार नहीं हुआ, तो जबलपुर एयरपोर्ट बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही भोपाल, इंदौर और ग्वालियर से भी उड़ानों पर रोक लगाई जाएगी।

एयरलाइन कंपनियों की ओर से भी बस इतना कहा गया कि वे अभी इस पर विचार कर रही हैं। कोर्ट ने इस रवैये को गंभीर लापरवाही मानते हुए टिप्पणी की न कोई काम हो रहा है, न कोई असरदार पत्राचार। अगर यह स्थिति बनी रही तो हम

एयरपोर्ट हो बंद करा देंगे। सुनवाई के दौरान सरकार ने फिर वही तर्क दोहराया कि जबलपुर में उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए एयरलाइन कंपनियों को ईमेल भेजा गया और बैठक आयोजित की गई है। लेकिन जब कोर्ट ने पूछा कि इस पर कंपनियों ने क्या जवाब दिया, तो सरकार कोई ठोस उत्तर नहीं दे पाई।

इंडिगो बताए... जबलपुर में फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाने के लिए कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं

हाईकोर्ट ने इंडिगो एयरलाइंस संचालित करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड को आदेश दिया कि जबलपुर में फ्लाइट की संख्या बढ़ाने के लिए जो भी ठोस कदम उठाए गए हैं, उनकी जानकारी कोर्ट में दी जाए। इसके साथ ही उन्हें निर्देश दिया गया कि जो यात्री जबलपुर से दिल्ली और मुंबई कनेक्टिंग फ्लाइट ले रहे हैं, उन सभी का यात्री डाटा पेश किया जाए और यह भी हलफनामा दिया जाए कि क्या दोपहर की फ्लाइट को सुबह या शाम में शिफ्ट करना संभव है। यह सारा कमर्शियल डाटा सील बंद लिफाफे में कोर्ट में जमा करना होगा। बेंच ने एविएशन डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी को आदेश दिया है कि अब तक जबलपुर में उड़ानें बढ़ाने और बड़े शहरों से कनेक्टिविटी सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए, उसका विस्तृत हलफनामा पेश करें। साथ ही उन्हें अगली सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मौजूद रहने का भी निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त 2025 तय की गई है।

विभाजन विभीषिका दिवस को लेकर लगाई कांग्रेस की याचिका खारिज

जबलपुर। कांग्रेस के जबलपुर अध्यक्ष द्वारा दायर याचिका को हाईकोर्ट ने निराधार मानते हुए खारिज कर दिया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा विभाजन विभीषिका दिवस कोई उत्सव नहीं है, बल्कि बलिदानियों की याद का दिन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस दिन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन करना बिल्कुल भी गलत नहीं है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में पहले कलेक्टर जबलपुर के माध्यम से राज्यपाल को आवेदन भेजा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा। जबलपुर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया था कि जिला भाजपा अध्यक्ष शहडोल अमिता चपरा ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट डाली थी, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर हर घर तिरंगा, तिरंगा यात्रा और विभाजन विभीषिका दिवस के आयोजन के लिए जिला स्तरीय समिति गठन की जानकारी दी गई थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि यह पोस्ट संविधान और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 196 के विपरीत है। डिविजनल बेंच में जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ ने सुनवाई करते हुए कहा कि विभाजन विभीषिका दिवस को उत्सव मानना गलत है। यह दिन देश के इतिहास की त्रासदी और शहीदों की याद में मनाया जाता है। अदालत ने याचिका को पूर्णतः निराधार बताते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को समझाया कि इसे किसी उत्सव के तौर पर न देखा जाए। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रुपराह और पैनल अधिवक्ता आकाश मालपानी ने पक्ष रखा।

20 गांवों से उमड़ा सैलाब, बोल बम के जयकारों से गूंजा शाहपुर

बुरहानपुर। शाहपुर और नेपानगर प्रखंड में धार्मिक आस्था का ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके का माहौल शिवमय कर दिया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल, जिला ब्रह्मपुर के बैनर तले, ग्राम साड़स से गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक और मानूसगांव से शाहपुर नगर भ्रमण करते हुए विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। सुबह से ही गांव-गांव से भगवा वस्त्रों में सजे महिला-पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग कावड़ हाथ में लिए बोल बम के जयकारे लगाते हुए जुटने लगे। करीब 20 गाँवों से आए 1500 से अधिक कावड़िये यात्रा में शामिल हुए। यात्रा जैसे ही मार्ग पर बढ़ी, श्रद्धालुओं ने जगह-जगह सड़क पर पुष्प वर्षा और फलाहारी जलपान की व्यवस्था कर भोले के भक्तों का स्वागत किया। यात्रा में दुर्गा वाहिनी की बहनें भी कदम से कदम मिलाकर चलीं। भगवा पताका थामे और हर-हर महादेव के उद्घोष से उन्होंने माहौल को और ऊर्जावान बना दिया। छोटे-छोटे बच्चे भी अपनी नन्हीं कावड़ के साथ उत्साह से चलते रहे। कार्यक्रम में जिला मंत्री युवराज पाटिल, प्रखंड मंत्री, संयोजक समेत जिले और प्रखंड के कई पदाधिकारी, संयोजक और बड़ी संख्या में बजरंगी कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन की जानकारी प्रचार-प्रसार प्रमुख दिनेश राठौड़ ने दी।

मैगी खिलाने के बहाने छह साल की मासूम के साथ किया घिनौना कृत्य

बड़वानी। मैगी खिलाने के बहाने एक युवक ने 6 साल की मासूम के साथ घिनौना कृत्य किया था। जिसका आदिवासी संगठनों ने जमकर विरोध किया। पुलिस ने विरोध के बाद दुष्कर्म करने वाले युवक को दबोच लिया है। इस घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया था। आदिवासी समाज लगातार आरोपी के गिरफ्तारी की मांग कर रहा था।पानसेमल के थाना प्रभारी मंसाराम वगेन के मुताबिक बालिका की मां की शिकायत पर 22 वर्षीय पीयूष जैन को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी कपड़े की दुकान में सेल्समैन का काम करता है।

निःशुल्क यूरोलॉजी स्वास्थ्य शिविर 60 से अधिक मरीजों ने लिया लाभ

बुरहानपुर। ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल, बुरहानपुर द्वारा निःशुल्क यूरोलॉजी शिविर का का आयोजन किया गया। शिविर में 60 से अधिक मरीजों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में अस्पताल के अनुभवी चिकित्सक डॉ. प्रशांत खैरनार एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निखिल तारकादे ने समस्याओं का विस्तृत परामर्श दिया। मरीजों को मौसमी बीमारियों से बचाव एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। शिविर में सभी मरीजों का निःशुल्क जनरल चेकअप, ब्लड प्रेशर, एक्स-रे एवं सोनोग्राफी जांच की गई। कार्यक्रम का संचालन ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के संचालक कबीर चौकसे के मार्गदर्शन में एवं अस्पताल स्टाफ के सहयोग से किया गया, जिससे शिविर का सफल आयोजन संभव हो सका।

कार्रवाई करने की मांग तेज

खैराती बाजार में खुलेआम चल रहा जुआ-सट्टा, आमजन परेशान

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

शहर के खैराती बाजार, बेरी मैदान, हरिपुरा, नगर निगम कार्यालय के पास और राजू नगर क्षेत्र में खुलेआम जुआ-सट्टे का कारोबार चल रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि इन इलाकों में कई दिनों से धरनुमा शैली में सट्टे का खेल चल रहा है, जिसके चलते आसपास के गरीब परिवारों में कलह और झगड़े बढ़ते जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, खैराती बाजार में सक्रिय एक माफिया और उसका बेटा कई बार पुलिस कार्रवाई का सामना कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी दबंगई में कोई कमी नहीं आई है। आरोप है कि यह गिरोह खुलेआम जुआ-सट्टा चलाकर कानून की धज्जियां उड़ा रहा है और प्रशासन के आदेशों की परवाह नहीं करता। बस स्टैंड क्षेत्र में भी सट्टे का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है, जिसमें कई युवा शामिल बताए जाते हैं। इससे न केवल सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है, बल्कि कई गरीब मजदूर दिनभर की मेहनत की कमाई इसी अवैध कारोबार में गंवा बैठते हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन और पुलिस इस मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई करें, ताकि शहर में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके और कानून का डर कायम हो।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो दीवार तोड़कर घुसी, मौके पर ही पांच लोगों की मौत

अनूपपुर में भीषण सड़क हादसा

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले से भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि, जिले के रामनगर थाना इलाके में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो मोटरसाइकल को जोरदार टक्कर मारने के बाद भाग रही थी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर एक घर की दीवार तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। हादसे में बाइक चालक और उसके साथी समेत स्कार्पियो सवार तीन यानी कुल 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया गया है।

बताया जा रहा है कि, रामनगर थाना अंतर्गत भीषण सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, स्कॉर्पियो में सवार होकर 7 लोग कोतमा से बेलिया की ओर जा रह थे। रास्ते में स्कॉर्पियो ने सामने से आई एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार अमृत चौधरी और उसके साथ बाइक पर सवार युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि, बाइक सवार दोनों युवकी की पहचान कर पाना संभव नहीं हो पा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन अनियंत्रित होने से सड़क से उतरकर समीप के घर में जा घुसी। ऐसे में स्कार्पियो सवार 3 लोगों की भी मौत हो गई। मृतकों में कार में सवार शुभम अहिरवार, राहुल केवट और सौरव प्रधान शामिल हैं। 4 लोग घायल हुए है, जिन्हें कोतमा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। संभावना है कि, गंभीर घायलों को जिला अस्पताल भर्ती किया जा सकता है। इधर घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की विवेचना शुरु कर दी है। मृतकों में एक शख्स उरतान और 4 लोग बेलिया के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

रेलवे ने माल लदान सेवा पर 15 तक लगाई रोक

जबलपुर। स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा कारणों के चलते रेलवे ने जबलपुर से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में माल लदान पर 12 से 15 अगस्त तक रोक लगा दी है। इसका असर जबलपुर से जाने वाले अनाज, किराना, जनरल गुड्स और रेडीमेड सामग्री के व्यापार पर पड़ेगा।

रेलवे रेल मंडल से सभी लीज कंटेनरों की जांच भी कर रहा है। यह प्रतिबंध लीज पर दिए गए एसएलआर, एजीसी और वीपीएस सहित सभी पर लागू होगा। यात्री अपने साथ तय भार का सामान ले जा सकेंगे। जबलपुर से दिल्ली की ओर रोजाना 25 से 30 टन माल एक ट्रेन से जाता है।

ट्रेन इंजन में घुसा शख्स बोला- गाड़ी मैं चलाऊंगा

लोगों में मचा हड़कंप, मानसिक रूप से विक्षिप्त था व्यक्ति

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

ग्वालियर से कैलारस जाने वाली मेमू ट्रेन में उस समय हडकंप मच गया, जब एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ट्रेन के इंजन में जा बैठा और बोला ट्रेन मैं चलाऊंगा। सहायक लोको पायलट ने उसे उतरने कहा तो वह हंगामा करने लगा और ट्रेन चलाने की जिद करने लगा। इसके बाद तीन चार सहायक लोको पायलट इंजन में आए और उसे काफी मुश्किल से बाहर निकाला। मानसिक विक्षिप्त युवक ने लोको पायलट के साथ मारपीट भी भी की। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रेलवे सुरक्षा बल को दी गई। ग्वालियर से कैलारस के लिए मेमू शाम 4.55 बजे रवाना होती है। यह ट्रेन प्लेटफार्म तीन पर लगभग एक घंटे पहले आ जाती है।

सोमवार को भी यह ट्रेन शाम 4 बजे से पहले आ गई। ट्रेन के इंजन पर तैनात सहायक लोको पायलट की नजर

एक व्यक्ति पर पड़ी। वह सहायक लोको पायलट की सीट पर बैठ गया। बस यहीं से हंगामा शुरू हो गया। यह मानसिक विक्षिप्त ट्रेन के दूसरे इंजन (झांसी एंड) की तरफ चढ़ गया था। जबकि ट्रेन को आगरा एंड की तरफ से बिरला नगर से कैलारस की तरफ जाना था। सूत्रों की माने तो इस मानसिक बीमार व्यक्ति ने प्लेटफार्म एक पर भी दोपहर के समय यात्रियों के साथ हंगामा किया था।

महू के सैन्य क्षेत्र में बम फटने से मौत

इंदौर। महू में स्थित सैन्य क्षेत्र की हेमा रेंज में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। पास के गांव का निवासी शरीफ जंगल में अपनी बकरियां चराने के लिए प्रतिबंधित इलाके में जा घुसा। इस दौरान अचानक सेना का एक बम फट गया, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय शरीफ का मामा भी आसपास मौजूद था। धमाके की आवाज सुनते ही वह मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों की मदद से शरीफ को शासकीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह हादसा किशनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हेमा रेंज में हुआ।

ग्राम चंदावनी के देवखो पर्यटन स्थल का मामला

महिला सैलानियों से छेड़छाड़ के बाद चले लात-घूंसे, शिकायत दर्ज नहीं

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले में महिलाओं से छेड़छाड़ को लेकर सैलानियों में विवाद हो गया और जमकर लात घूंसे चले। बताया जा रहा है कि एक पर्यटन स्थल पर घूमने पहुंची महिलाओं के साथ कुछ युवक छेड़छाड़ करने लगे और उनपर फब्तियां कसने लगे। दोनों पक्षों में से किसी ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवाई है।

पूरा मामला शिवपुरी जिले के खोड़ चौकी अंतर्गत ग्राम चंदावनी में स्थित देवखो नामक धार्मिक पर्यटन स्थल पर का है। यहां पर बाहर से कुछ सैलानी घूमने के लिए आए थे। इसके अलावा वहां स्थानीय ग्रामीण व आसपास के कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। झरने पर नहाने व घूमने के दौरान कुछ युवकों ने वहां मौजूद महिलाओं पर फब्तियां कसते हुए छेड़छाड़ कर दी। जिसका विरोध करने पर सैलानियों और युवकों में झगड़ा और मारपीट शुरू हो गई। दोनों

पक्षों में जमकर लात-घूंसे और लाठियां चलीं। पर्यटन स्थल देवखो पर मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जब इस संबंध में खोड़ चौकी प्रभारी कुसुम गोयल से बात की गई तो उनका कहना था कि यह वीडियो उन्होंने भी देखा है। उनके अनुसार इस संबंध में जब स्थानीय लोगों से पता किया तो बताया जा रहा है कि वीडियो दो से तीन दिन पुराना है, हालांकि झगड़े का कारण सामने नहीं आया है।

मेट्रो एंकर इंदौर से कटनी जाते समय रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से हुई गायब, पड़ताल जारी

लापता अर्चना की तलाश के लिए आगे आ रहे लोग, 50 हजार का इनाम

कटनी। दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन पर अपने घर कटनी लौटते समय भोपाल के कमलापति स्टेशन पर अचानक गायब हो जाने वाली कटनी की अर्चना तिवारी की तलाश के लिए अब शहर के लोगों ने भी

प्रयास शुरू किये हैं। अर्चना इंदौर से अपने घर जाने के लिए निकली थी। रानी कमलापति स्टेशन के पास चलती ट्रेन से अचानक लापता हो गई। कटनी युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिव्यांशु मिश्रा ने अर्चना की जानकारी देने वाले को 51 हजार का इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा, अर्चना हमारी बहन है, पूरे जिले को उसकी चिंता है। हम चाहते हैं वह सुरक्षित वापस आए। अर्चना का पता लगाने के लिए रेल पुलिस कटनी, भोपाल, इंदौर और नर्मदापुरम में उसकी तलाश कर रही है। परिवार और समाजसेवी भी खोज में जुटे हैं। इंदौर में पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा और एक संदिग्ध कार की जांच कर रही है। अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है और हर कोई उसकी सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहा है। पुलिस पूछताछ में चार-पांच लोगों ने दावा किया है कि उन्होंने अर्चना जैसी दिखने वाली लड़की को देखा था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज से उसकी स्पष्ट पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

इसी स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर लापता हुई थी अर्चना

पुलिस ने खास कार ड्राइवर और मालिक से की पूछताछ

पुलिस ने मोबाइल फोन के कॉल डेटा रिकॉर्ड और इंटरनेट डेटा रिकॉर्ड भी खंगाले हैं। साथ ही साइबर टीम सक्रिय है। अर्चना इंदौर में रहकर सिविल जज परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवार के साथ-साथ स्थानीय समाजसेवी और जनप्रतिनिधि भी उसकी खोज में आगे आ रहे हैं। 6 अगस्त की रात अर्चना को अपने सत्कार गर्ल्स हॉस्टल के बाहर एक कार से उतरते हुए सीसीटीवी में देखा गया है। पुलिस इसके मालिक और ड्राइवर से पूछताछ कर रही है।

फेयरवेल की अटकलें बीसीसीआई ने खारिज की

विराट कोहली-रोहित शर्मा के वनडे फ्यूचर पर कोई जल्दबाजी नहीं

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर जल्दबाजी में नहीं है और न ही इस बारे में जल्द कोई फैसला लेने वाला है। भारत की अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज रद्द हो चुकी है। ऐसे में भारत 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली ऑस्ट्रेलिया सीरीज में अपने अगले वनडे मैच खेलेगा।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बीसीसीआई सिडनी (25 अक्टूबर) में दोनों दिग्गजों को फेयरवेल मैच दे सकता है, लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने इसे खारिज किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक बीसीसीआई के एक सूत्र ने उनसे कहा, अगर रोहित और कोहली के मन में कुछ है तो वो बीसीसीआई को बताएंगे, जैसा उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट टूर से पहले किया था। फिलहाल फोकस फरवरी में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप और उससे पहले की तैयारियों पर है। अगला बड़ा लक्ष्य एशिया कप टी-20 में सर्वश्रेष्ठ टीम उतारना है। आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में साथ खेले-आखिरी बार वनडे में विराट और रोहित चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में साथ खेले थे, जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा और रोहित ने फाइनल में अर्धशतक बनाया था। आपीएल के बाद से दोनों ने कोई भी मैच नहीं खेला है। कोहली ने हाल ही में लंदन में इनडोर नेट सेशन की फोटो साझा की थी, जहां वे

आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच नईम अमीन के साथ दिखे थे। वहीं रोहित अभी इंग्लैंड टूर पर थे, वहां वे द ओवल में भारत-इंग्लैंड का मैच देखने गए थे। रोहित मुंबई लौटकर ट्रेनिंग शुरू करने की तैयारी में हैं।

बोर्ड ने मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज किया कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया दौरा आखिरी हो सकता है। लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने ऐसी कोई भी बात से मना कर दिया। सूत्र ने आगे बताया कि ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सीरीज के बीच इंडिया-ए और साउथ अफ्रीका-ए के तीन लिस्ट-ए मैच (13, 16, 19 नवंबर, राजकोट) होंगे, जिनमें दोनों के खेलने पर भी चर्चा हो सकती है।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे दोनों दिग्गज

कोहली-रोहित विजय हजारे ट्रॉफी में खेल सकते हैं- दिसंबर में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी और जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच में कोहली-रोहित खेलते दिखेंगे। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं विराट-रोहित विराट कोहली और रोहित शर्मा इंटरनेशनल टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। रोहित ने 7 मई और विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इससे पहले 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद ही दोनों ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

सूर्या एनसीए में एक हफ्ते और रुकेंगे

एशिया कप के लिए हार्दिक पंड्या का फिटनेस टेस्ट होगा

मुंबई। भारत के एशिया कप 2025 टीम के सिलेक्शन से पहले हार्दिक पांड्या 11 और 12 अगस्त को बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में रूटीन फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे, जिसके आधार पर उनका मूल्यांकन किया जाएगा। पंड्या ने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ (वनडे) खेला था। वहीं, सूर्या का अभी पूरी तरह फिट होना बाकी है। वे एनसीए में फीजियो और मेडिकल टीम की मौजूदगी में अभी एक हफ्ते और रुकेंगे, ताकि समय पर पूरी तरह फिट हो सकें। उन्होंने जून में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी। एशिया कप के लिए अभी भारतीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। उससे पहले खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट किया जा रहा है। पिछले महीने श्रेयस अय्यर का किया गया था। सूर्या ने जून में जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी। 34 साल के सूर्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा था, 'लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।' सूर्या ने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ (टी-20) खेला था।

जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप आज से

नई दिल्ली। 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 मंगलवार से पंजाब के जालंधर में शुरू होगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त तक चलेगा। इसमें नया डिवीजन-आधारित फॉर्मेट अपनाया जाएगा, जिसे इस साल की शुरुआत में सीनियर, सब-जूनियर पुरुष, महिला और जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले ही लागू किया जा चुका है। इसमें 30 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। इन टीमों को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में बांटा गया है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का नियम प्रतियोगिता में रोमांच और बढ़ा देगा। डिवीजन ए की टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर का वादा...

इस बार टूटेगा मिथक, खत्म होगा वर्ल्ड कप का सूखा

मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड का मैदान, 2017 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल और सामने ऑस्ट्रेलिया। हरमनप्रीत कौर का बल्ला आग बरसा रहा था। उनकी 171 रनों की तूफानी पारी ने भारत को फाइनल में पहुंचा दिया। यह सिर्फ एक पारी नहीं थी, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट का गौरव पल था। भले ही फाइनल में खिताब हाथ से निकल गया, लेकिन जब टीम देश लौटी तो एयरपोर्ट पर हजारों लोग ताली बजाकर, जयकारे लगाकर उनका स्वागत कर रहे थे। उस दिन हरमनप्रीत को अहसास हुआ- उन्होंने करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया है। सोमवार को मुंबई में महिला वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में वही सपना फिर आंखों में चमक रहा था। हरमनप्रीत ने दृढ़ आवाज में कहा, हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं, जिसका इंतजार पूरा देश कर रहा है। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं अपने देश के लिए कुछ ऐसा करना चाहती हूं जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखें।

युवराज से प्रेरणा, देश के लिए जुनून

मंच पर उनके साथ थे 2011 वर्ल्ड कप के नायक युवराज सिंह। हरमनप्रीत ने मुस्कुराकर कहा, जब भी मैं युवी भैया को देखती हूं, तो मन में एक अलग जोश भर जाता है।卐 यह जोश अब विश्व कप जीत के रूप में निखरना चाहती है।

ऑस्ट्रेलिया से होगी असली परीक्षा

टीम इंडिया हाल ही में इंग्लैंड दौरे से जीत के साथ लौटी है। टी20 और वनडे दोनों सीरीज अपने नाम की। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू सीरीज खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा। हरमनप्रीत मानती हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। यह सीरीज हमें बताएगी कि हम कहां खड़े हैं और हमारा आत्मविश्वास बढ़ाएगी। हरमनप्रीत और उनकी टीम के पास अब इतिहास रचने का सुनहरा अवसर है। 2017 जैसी अधूरी कहानी को इस बार जीत के साथ पूरा करना ही उनका लक्ष्य है, ताकि भारतीय महिला क्रिकेट को उसकी सबसे बड़ी खुशी मिल सके।

साउथ अफ्रीकी गेंदबाज

150 KM प्रतिघंटे की रफ्तार के साथ होश उड़ा रहे मफाका

नई दिल्ली , एजेंसी

भले ही साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया के हाथों पहले टी20 मैच में 17 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी, लेकिन क्वेना मफाका ने अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा। इस 19 वर्षीय गेंदबाज ने डार्विन के मारारा क्रिकेट ग्राउंड पर शनिवार को 20 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। क्वेना मफाका ने 144 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मिचेल ओवेन का ऑफ स्टंप उखाड़ा।

माफाका की फील्डिंग भी उनकी गेंदबाजी से मेल खाती है। उन्होंने पावरप्ले में कगिसो रबाडा की गेंद पर दो शानदार कैच लपके और ट्रैविस हेड और ऑस्ट्रेलियाई टी20 कप्तान मिशेल मार्श को पवेलियन वापस भेजा। 2024 की शुरुआत में आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने के बाद से क्वेना मफाका सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़े हैं। मफाका 18 साल और 270 दिन की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के टेस्ट डेब्यू करने वाले खिलाड़ी हैं।

शानदार प्रदर्शन के दम पर मफाका को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल-2024 के लिए अपने साथ जोड़ा, जिसके बाद राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 सीजन के लिए अनुबंधित किया। मफाका ने 2024 के अंत में दक्षिण

अफ्रीका के लिए डेब्यू किया और पाकिस्तान के खिलाफ अपने पहले वनडे में 151 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। अपने पहले ही वनडे मैच में उन्होंने चार शिकार किए। मफाका अंतरराष्ट्रीय करियर में 13 मैच खेलते हुए 18 विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

रयान रिकेल्टन ने की गेंदबाज की तारीफ

मफाका के साथ रयान रिकेल्टन ने इस तेज गेंदबाज की तारीफ करते हुए कहा, ÷मैदान पर उनका स्वभाव काफी उग्र है, लेकिन ड्रेसिंग रूम में बहुत शांत रहते हैं। एक युवा खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घर में डटकर मुकाबला करते देखना अच्छा लगता है। दक्षिण अफ्रीका को उम्मीद होगी कि मंगलवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मफाका फिर से शानदार प्रदर्शन करेंगे।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

मैं चाहती हूं मेरा हर किरदार दर्शकों के दिल में बस जाए: दिव्या दत्ता

मशहूर एक्ट्रेस दिव्या दत्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज मायासभा के लिए चर्चा में हैं। ये एक साउथ इंडियन पॉलिटिकल-थ्रिलर वेब सीरीज है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं एक्ट्रेस दिव्या दत्ता को अलग-अलग प्रोजेक्ट में कई बेहतरीन किरदारों में देखा गया। छावा में वो सोराबाई नाम की एक विलेन के रोल में दिखीं। इससे पहले स्पेशल ऑप्स में सादिया कुरैशी के रोल में दर्शकों का दिल जीता। बंदिश बैंडिट्स में वो एक मंझी हुई संगीतकार के रोल में फबीं। दिव्या अलग-अलग किरदारों को ऐसे निभाती हैं कि दर्शक उन्हें देखते रह जाएं। अपनी सक्सेस के बारे में बात करते हुए दिव्या ने कहा, मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला जो मुझे चुनौती देती हैं और मुझे मानवीय भावनाओं के विभिन्न पहलुओं को तलाशने का मौका देती हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा हर किरदार दर्शकों के दिल में हमेशा के लिए बस जाए। पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने बताया कि वो पहले शादी करना चाहती थीं, लेकिन समय गुजरने के साथ उन्होंने सिंगल रहने का मन बना लिया। एक्ट्रेस का मानना है कि वो एक शांत और खुद पर ध्यान केंद्रित करने वाले शख्स की तरह रहना पसंद करेंगी, बजाए इसके कि वो एक टॉक्सिक रिश्ते या बुरे रिश्ते में फंसी रहें। इस बारे में उन्होंने आईएएनएस से खुलकर बात की। कहा, बिल्कुल, यह समय के साथ अपने आप हो गया। मैं शादी को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित थी। मैं उन सभी फिल्मों में पूरी तरह से रमी हुई थी जिन्हें देखकर मैं बड़ी हुई थी। यशजी की फिल्में, करण जौहर की फिल्में, जहां आप जानते हैं, आप उन सभी रस्मों को निभाते हैं और आप अच्छा, खुश और शादीशुदा महसूस करते हैं।

एयर इंडिया का ऐलान, 1 सितंबर से दिल्ली-वॉशिंगटन डीसी के लिए उड़ान सेवाएं बंद

मेट्रो बाजार

गुरुग्राम। एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की है कि वह 1 सितंबर से दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी के बीच सीधी उड़ानें अस्थायी रूप से बंद कर रहा है। यह फैसला कुछ संचालन से जुड़ी वजहों के चलते लिया गया है ताकि एयर इंडिया अपने पूरे रूट नेटवर्क की विश्वसनीयता बनाए रख सके। यह सेवा रोकने का मुख्य कारण एयर इंडिया के बेड़े में विमान की अस्थायी कमी है। एयर इंडिया ने पिछले महीने 26 बोइंग 787-8 विमानों का रीफिटिंग (नई सजावट और सुविधाएं) कार्यक्रम शुरू किया

है। इस बड़े बदलाव का मकसद यात्रियों को बेहतर अनुभव देना है, लेकिन इसके कारण कई विमान लंबे समय तक सेवा से बाहर रहेंगे। यह प्रक्रिया 2026 के अंत तक जारी रहेगी। इसके अलावा, पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के अब भी बंद होने से लंबी दूरी की उड़ानों का रूट लंबा और जटिल हो गया है, जिससे संचालन में और दिक्कतें आ रही हैं। जिन यात्रियों ने 1 सितंबर 2025 के बाद वॉशिंगटन डीसी के लिए एयर इंडिया से टिकट बुक किए हैं, उन्हें एयर इंडिया की तरफ से संपर्क किया जाएगा। उन्हें अन्य विकल्प दिए जाएंगे, जिसमें दूसरी उड़ानों पर बुकिंग या पूरा रिफंड जैसा ऑप्शन शामिल है।

टेस्ला का दिल्ली में शोरूम शुरू फोकस मॉडल वाई की बिक्री पर

नई दिल्ली। एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एरोसिटी स्थित वर्ल्डमार्क 3 कॉम्प्लेक्स में अपने पहले शोरूम का उद्घाटन किया। यह इलेक्ट्रिक कार निर्माता का भारत में प्रवेश के एक महीने के भीतर दूसरा रिटेल स्टोर है। दिल्ली के सबसे व्यस्त व्यावसायिक जिलों में से एक, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित, एरोसिटी आउटलेट एक अनुभव केंद्र के रूप में कार्य करता है, जहां मेहमान मॉडल वाई इलेक्ट्रिक एसयूवी का निरीक्षण कर सकते हैं, खरीद प्रक्रिया को समझ सकते हैं और चार्जिंग विकल्पों के बारे में जान सकते हैं। इस स्टोर से दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवा मिलने की उम्मीद है। इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा 15 जुलाई को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मेकर मैक्सिटी में टेस्ला के पहले शोरूम के उद्घाटन के बाद भारत में यह दूसरा शोरूम है। बता दें कि सबसे पहले टेस्ला कंपनी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

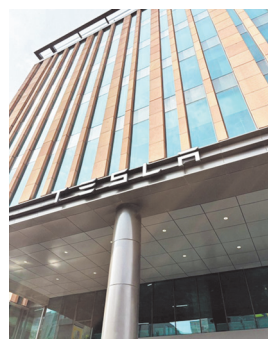

टेस्ला त्योहारी सीज़न से पहले भारत के प्रीमियम इलेक्ट्रिक व्हीकल बाज़ार में प्रवेश करने के लिए दिल्ली में नए शोरूम के उद्घाटन के साथ एक मज़बूत प्रयास कर रही है, जिससे उसके रिटेल मैप में एक और बड़ा महानगर जुड़ जाएगा।

अग्नि परीक्षा' दे बनी छोरी नंबर 1, कृष्णा ने रेहा को किया नॉमिनेट?

जी-टीवी का रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में टीवी की मशहूर हसीनाएं और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपने ग्लैमरस वर्ल्ड से दूर गांव की जिंदगी जी रही हैं। शो में घर के काम करने के बाद हर दिन टास्क परफॉर्म करना पड़ता है। हाल ही में हुए 'अग्नि परीक्षा' टास्क में इन छोरियों को खुद को साबित करने का एक और मौका दिया गया है। जहां इस टास्क को जीतकर शो की कंटेस्टेंट कृष्णा श्रॉफ नंबर वन छोरी बन गई। चलिए आपको भी बताते हैं कृष्णा ने किस कंटेस्टेंट को नॉमिनेट किया?

शो के होस्ट रणविजय सिंह ने छोरियों को नए टास्क से रूबरू कराया। इस टास्क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है। इसमें शो की कंटेस्टेंट अनीता हसनंदानी बेहद बेबाकी से टास्क परफॉर्म करती नजर आती हैं। अनीता को फैंस शो में काफी पसंद भी कर रहे हैं। वहीं इस टास्क में भले ही उनकी तारीफ हुई हो लेकिन इस टास्क में कृष्णा श्रॉफ ने भी काफी अच्छे से टास्क किया और वो इसकी विजेता भी रहीं। टास्क जीतकर कृष्णा श्रॉफ को 'छोरी नंबर 1' का टैग मिल गया। इसके बाद उन्हें किसी एक छोरी को नॉमिनेट करने का मौका भी मिला। अपनी पावर का इस्तेमाल करके कृष्णा ने रेहा सुखीजा को माथे पर राख लगाकर नॉमिनेट कर दिया। इसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। वहीं रेहा ने भी कहा कि मुझे पहले ही पता था कि कृष्णा मुझे नॉमिनेट करने वाली हैं। इसके साथ ही कृष्णा ने रेहा को नॉमिनेट करने का कारण देते हुए कहा कि रेहा इस शो में मेरी कॉम्पीटिशन हैं, इसलिए मैंने उन्हें नॉमिनेट किया है।

शो में नहीं हुआ एलिमिनेशन

बता दें शो में इस बार एलिमिनेशन में कोई भी एलिमिनेट नहीं हुआ है। नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स अनीता, रेहा, रमीत, अंजुम, सुमुखी और कृष्णा में से किसी एक को एलिमिनेट करना था। जहां कृष्णा को बाकी छोरियों ने सेफ कर नॉमिनेटड लिस्ट से हटाकर सेफ कर लिया। इसके बाद नॉमिनेटेड बची पांच छोरियों में से किसी एक को गांव छोड़कर जाना था। रणविजय सिंह ने ये फैसला गांव के पंच के हाथों में सौंप दिया। वहीं पंच ने इस हफ्ते किसी भी छोरी को गांव से बाहर नहीं किया। इसके मुताबिक शो के पहले एलिमिनेशन राउंड में कोई भी

दो अनफिट बसें जब्त

यात्री बसों पर नजरें, चेकिंग अभियान में 7 बसों से जुर्माना वसूला

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के सीमावर्ती इलाकों में विशेष चैकिंग अभियान चल रहा है। क्षेत्रीय परिवहन अमले द्वारा इसके तहत नर्मदापुरम और रायसेन रोड पर यात्री बसों की विशेष चेकिंग की गई। इसमें 7 बसों पर नियमों के उल्लंघन के मामले पाए गए। इनमें किराया सूची का डिस्प्ले न होना, यात्रियों से अधिक किराया वसूलना और निर्धारित संख्या से अधिक सवारी बैठाना शामिल था। इन बसों पर कुल 14 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया।

आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि चैंकिंग के दौरान दो बसें बिना वैध दस्तावेजों और फिटनेस प्रमाण पत्र के चल रही थीं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इन बसों को आगे की कार्रवाई के लिए आरटीओ कार्यालय में रखा गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान यात्री सुरक्षा, पारदर्शी सेवा और कानून के पालन को सुनिश्चित करने के लिए चलाया गया। यात्रियों से अपील की गई है कि वे केवल वैध दस्तावेजों वाले वाहनों से यात्रा करें और किसी अनियमितता की सूचना परिवहन विभाग को दें। आरटीओ ने कहा कि इस प्रकार की सघन जांच आगे भी जारी रहेगी।

आधार कार्ड के पते पर पहुंची पुलिस, मृतक के बारे में नहीं मिली कोई जानकारी

भदभदा पुल के नीचे मंदिर के पास डेम में मिली एक युवक की लाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा डेम में पुल के नीचे बजरंग मंदिर के पास सोमवार सुबह एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकवाया। मृतक के पास से गाड़ी की चाबी, बंद मोबाइल और आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड के पते पर पुलिस पहुंची तो वहां मृतक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। पुलिस मृतक के परिजन से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम करीब चार बजे भद्भदा पुलिया के नीचे बजरंग मंदिर के पास डेम में किसी युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से लाश बाहर निकलवाई। मृतक की तलाशी लेन पर दो पहिया वाहन की चाबी, बंद मोबाइल और आधार कार्ड मिला। आधार कार्ड में साजिद अंशारी पिता रफीक अंशारी (32) मकान नंबर 88, बैंक नगर, कॉलोनी अशोका गार्डन लिखा हुआ था। पुलिस ने आधार कार्ड में लिखे पते पर पहुंची तो पता चला कि वहां साजिद अंशारी नामक युवक नहीं रहता है।

फाइल फोटो

कलियासोत डेम में डूबे युवक की लाश मिली

चूनाभट्टी स्थित कलियासोत डेम पर पार्टी मनाने साले के साथ पहुंचे जीजा की लाश सोमवार शाम डेम में मिल गई है। वह रविवार दोपहर तैराकी के इरादे में डेम में कूदा था। गहरे पानी में समाने के कारण उसकी मौत हो गई। नगर निगम के गोताखोरों के अलावा एसडीआरएफ की टीम भी युवक की तलाश की पर कुछ पता नहीं चल सका।

पुलिस के अनुसार मूलरूप से विदिशा निवासी भगवान सिंह (35) की ससुराल शैतान सिंह चौराहा के पास कॉलोनी में है। रक्षा बंधन पर वह पत्नी को लेकर ससुराल आए थे। पत्नी ने अपने भाइयों को राखी बांधी और रविवार दोपहर करीब सवा 2 बजे भगवान सिंह साले व उसके दोस्तों के साथ पार्टी मनाने कलियासोत डेम जा पहुंचे। पार्टी के दौरान भगवान सिंह समेत तीन-चार लोग नहाने के लिए पानी में कूद गए। कुछ देर बाद सभी लोग तो पानी से बाहर निकल आए, लेकिन भगवान सिंह नहाते-नहाते काफी दूर तक निकल गए। आगे पानी गहरा होने और वह गहरे पानी में डूब गए। किनारे पर खड़े साले व दोस्तों ने चीख-पुकार कर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया लेकिन भगवान सिंह का सुराग नहीं मिल सका। सूचना मिलते ही नगर निगम के गोताखोर व चूनाभट्टी पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। जब नगर निगम के गोताखोर भी युवक का पता नहीं लगा सके तो एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। सर्चिंग की गई, लेकिन सोमवार दोपहर तक कुछ पता नहीं चल सका था। शाम को भगवान सिंह की लाश डेम में उतरती हुई नजर आई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लाश बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी है।

कर्मश्री की तिरंगा यात्रा 14 को

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की संस्था ''कर्मश्री'' इस बार भी 14 अगस्त को अखंड भारत के संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान के तारतम्य में तिरंगा यात्रा का आयोजन करने जा रही है। यह यात्रा रूट की दूरी और यात्रा में शामिल होने वाले देशभक्तों की संख्या के आधार पर भारत की विशाल तिरंगा यात्रा होगी। संस्था के अध्यक्ष रामेश्वर शर्मा ने इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से ''कर्मश्री'' द्वारा पिछले कई वर्षों से यह तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि अपने सशक्त निर्णयों और राष्ट्र हितेषी कार्यों के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आधुनिक और सशक्त भारत के निर्माता बन चुके हैं। अतः ''कर्मश्री'' की इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर, हर घर तिरंगा अभियान और नक्सलवाद के सफाए की घोषणा पर हर भारतीय को गौरव का संदेश दिया जाएगा।

हेलमेट नहीं होने पर पेट्रोल नहीं मिला तो सेल्समैन को धमकाया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जहांगीराबाद स्थित राजधानी पेट्रोल पंप पर कुख्यात बदमाश यासीन मजिस्ट्रेड और उसके साथी द्वारा हंमामा करने कर धौंस दिखाने का मामला सामने आया है। दरअसल, आरोपी बिना हेलमेट के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने पहुंचे थे। इस दौरान सेल्समैन ने उन्हें पेट्रोल देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होता देख आसपास के लोगों ने उन्हें घेर लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एक बदमाश को दबोच लिया, जबकि आरोपी यासीन मजिस्ट्रेड चकमा देकर भागने में सफल हो गया।

पुलिस के अनुसार दुर्गा चौक निवासी प्रिंस शर्मा (31) अपने साथी यासीन मजिस्ट्रेड के साथ रविवार-सोमवार की दरमियानी रात पेट्रोल लेने राजधानी पेट्रोल पंप पहुंचा। यासीन मजिस्ट्रेड और प्रिंस के पास हेलमेट नहीं था। स्कूटर यासीन मजिस्ट्रेड चला रहा था। सेल्समैन ने उन्हें कलेक्टर का आदेश बताते हुए पेट्रोल देने से इंकार कर दिया। इस पर आरोपी प्रिंस शर्मा और यासीन मजिस्ट्रेड ने सेल्समैन को धमकाना शुरू कर दिया। पेट्रोल पंप पर हंगामा होता देख किसी ने पुलिस को सूचना दी। रात्रि गश्त में मौजूद एएसआई राम सजीवन वर्मा, एसआई राघवेंद्र सिंह और कांसटेबल अजब सिंह पहुंचे। तीनों ने घेराबंदी करते हुए प्रिंस शर्मा को पकड़ लिया, जबकि यासीन मजिस्ट्रेड भागने में कामयाब हो गया। एएसआई राम सजीवन वर्मा ने बताया कि प्रिंस की तलाशी ली गई तो पेंट में साइड में देशी कट्टा फंसा मिला। एक बैरल ओपनर ट्रिगर, एक फायर ट्रिगर व एक हेमर ट्रिगर लगा था। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी प्रिंस शर्मा को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बदमाश यासीन ने उसे कट्टा रखने के लिए दिया था। पुलिस कुख्यात बदमाश यासीन मजिस्ट्रेड की तलाश कर रही है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी वारदात, आरोपियों की तलाश में दिल्ली पहुंची पुलिस

पेट्रोल पंप पर छात्र की हत्या करने वाले बेसुराग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पहले पेट्रोल लेने के विवाद में पेट में घोंप दिया था चाकू

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित मिनाल गेट नंबर-तीन के सामने पेट्रोल पंप पर पांच दिन पूर्व बुधवार सुबह करीब सवा चार बजे बीएएलएलबी के छात्र की हत्या करने वाले एक्टिवा सवार हत्यारों का अब तक सुराग नहीं लगा है। पुलिस को इस सनसनीखेज हत्याकांड में पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मिल गए है। फुटेज में एक्टिवा तीन युवक और उनकी एक्टिवा का नंबर भी मिल गया। बावजूद इसके आरोपियों तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। पुलिस के सूत्रों की माने तो आरोपियों की दिल्ली में फरारी काटने की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम दो दिन से दिल्ली में डेरा डाले हुए है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संस्कार पिता राम प्रमोद बबेले (22) मूलतः बीना का रहने वाला था और इंदौर में बीएएलएलबी कर रहा था। रक्षा बंधन से पूर्व वह अपने गांव जाने के लिए इदौर से भोपाल पहुंचा। 5 अगस्त मंगलवार शाम वह संस्कार अयोध्या नगर अपने दोस्त अनमोल दुबे के रूम पर पहुंचा। अगले दिन सुबह चार बजे दोनों भोपाल स्टेशन नाश्ता करने के लिए निकले। मिनाल गेट नंबर तीन पर पहुंचने के बाद वे पेट्रोल पंप पर पहुंचे। अनमोल ने पुलिस को बताया कि संस्कार ने पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने बाइक खड़ी की। इसी बीच एक एक्टिवा पर सवार तीन युवक पहुंचे और अपनी एक्टिवा उन्होंने बाइक के सामने लगा दी। संस्कार ने उनसे कहा कि भाई हम पहले आए हैं और हमें पहले पेट्रोल भरवाने दो। बस इतनी सी बात पर संस्कार और युवकों के बीच में कहासुनी होने लगी। कहासुनी बढ़ने पर तीनों ने संस्कार की कॉलर पकड़ ली और झूमाझटकी करने लगे। इसी बीच एक युवक ने अपने पास रखा चाकू निकाला और संस्कार के पेट में घोंप दिया। संस्कार के पेट में चाकू लगने से वह पेट्रोल पंप गिर गया। अनमोल उसे उठाकर पास ही स्थित निजी अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने भानपुर स्थित निजी अस्पताल ले जाने का कहा। अनमोल उसे भानपुर स्थित निजी अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर संस्कार को मृत घोषित कर दिया। संस्कार के पिता बीना में शासकीय स्कूल में टीचर है। संस्कार उनका इकलौता बेटा था, जबकि एक बेटी है।

5 महीने से पुलिस को गुमराह कर रहा दुष्कर्म का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

टीला जमालपुरा थाने में दर्ज है प्रकरण

शाहजहांनाबाद पुलिस ने दुष्कर्म व शारीरिक शोषण मामले में फरार चल रहे आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ टीला जमालपुरा थाने में प्रकरण दर्ज है। विवेचना की जिम्मेदारी शाहजहांनाबाद पुलिस को सौंपी गई थी। आरोपी करीब पांच माह से गिरफ्तारी से बचने अलग-अलग जगहों पर छिपता फिर रहा था। पुलिस के मुताबिक 18 मार्च 2025 को पीड़िता ने टीला जमालपुरा थाने में आरोपी राज शर्मा निवासी जालौन यूपी के खिलाफ दुष्कर्म व शारीरिक शोषण का प्रकरण दर्ज कराया था। आला अफसरों के आदेश पर मामले की अग्रिम विवेचना कार्रवाई के लिए डायरी शाजहांनाबाद पुलिस को सौंपी गई थी। पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी की खोजबीन शुरू की। जालौन यूपी के संभावित ठिकानों पर भी दबिश दी गई लेकिन आरोपी का सुराग नहीं मिला। इस बीच 9 अगस्त को आरोपी राज शर्मा की इंदौर में होने और वहां से भागने की तैयारी में होने की जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम फौरन इंदौर पहुंची और आरोपी राज शर्मा (22) को हिरासत में ले लिया। आरोपी को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में केन्द्रीय जेल भोपाल भेज दिया गया है।

बीमारी से परेशान युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट भी मिला है। सुसाइड नोट में उसने बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य को परेशान न करने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 44 साल के वीरेंद्र नेगी, सी-फाइव, चूनाभट्टी में रहते थे। वे प्राइवेट नौकरी करते थे, लेकिन दो महीने पहले उनकी नौकरी छूट गई। वह पत्नी और बच्चे के साथ रहते थे। मकान में उनके भाई का परिवार भी रहता है। उनके भाई सुरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि सोमवार सुबह वह 11 बजे वह बैंक गए थे। इस दौरान वीरेंद्र ने घर में फांसी लगा ली। परिजन ने उन्हें वीरेंद्र के फांसी लगाने की जानकारी दी थी। वे घर पहुंचे तो वीरेंद्र की मौत हो चुकी थी। सुरेंद्र ने बताया कि भाई वीरेंद्र को ओसीबी की बीमारी थी। बीमारी और नौकरी छूटने का उन्हें तनाव था।

नकली चाबी से लॉक खोलकर बाइक चोरी, दो नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

गिरोह से चोरी की 7 बाइकें बरामद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

टीटी नगर पुलिस ने रविवार को वाहन चैकिंग के दौरान बाइक चोर गिरोह को दबोचा है। गिरोह में दो नाबालिग समेत चार आरोपी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की सात मोटरसाइकिल बरामद की हैं। बरामद वाहनों की कीमत सात लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शहर की भीड़भाड़ वाली जगहों पर डुप्लीकेट चाबी से लॉक खोलकर वाहन चोरी करते थे। चोरी के वाहन झुग्गी में छिपाकर ग्राहकों को बेचते थे। पुलिस के मुताबिक रविवार को थाना क्षेत्र में चैकिंग पाइंट लगाया गया था। इस दौरान बाइक सवार तीन लडकों को रोका गया और उनसे नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना नाम साजन उर्फ रिंकू वर्मा, अनीस खान व एक विधि विरोधी बालक होना बताया। जिनसे वाहन के संबंध में पूछताछ की गई तो वह वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पूछताछ करने पर उन्होंने 6 वाहन चोरी का करना बताया। आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग स्थानों से 6 बाइक बरामद की गई है। इसी तरह चैकिंग के दौरान एक नाबालिग लडके को अटल पथ पर रोका गया। उससे वाहन के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह पेश नहीं कर सका। लडके से जब पूछताछ की गई तो उसके द्वारा उक्त वाहन चोरी करना स्वीकार किया गया।

मेट्रो एंकर | आशाराम चौराहा पर घर लौटते समय स्कूटर पर बिठाकर ले गया था सीनियर, दोस्तों के साथ मिलकर पीटा

सीनियर से पुराने पेपर मांगने का विवाद, स्कूटर पर ले जाकर आईटी पार्क में मारपीट

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित गोंडीपुरा के निजी स्कूल में दसवीं के छात्र को स्कूटर पर बिठाकर आईटी पार्क में ले जाकर मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सीनियर अपने तीन साथियों के साथ मिलकर उसे आशाराम चौराहा से अपनी स्कूटर में बिठाकर आईटी पार्क पहुंचा था और वहां गाली गलौज करते हुए लात घूंसों से मारपीट की। मारपीट में छात्र को मुंह के पास, पीट और सीने में चोट आई है। पुलिस ने सीनियर पर गालीगलौज और मारपीट का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 16 साल का किशोर सुविध विहार कॉलोनी आशाराम चौराहा, गांधी नगर में रहता हैं और गोंडीपुरा स्थित निजी स्कूल में कक्षा 10वीं में पढ़ता है। स्कूल में साथ पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के सीनियर छात्र से उसने गत 6 अगस्त को पुराने पेपर मांगे। पेपर नहीं देने पर सीनियर छात्र से उसकी कहासुनी हो गई। पीड़ित छात्र ने स्कूल में टीचर से शिकायत की। टीचर ने सीनियर से कहा कि उसे पुराने पेपर दे दो और विवाद नहीं करना।

आशाराम नगर चौराहा से स्कूटर पर बिठाया

छात्र ने बताया कि सोमवार दोपहर वह स्कूल की छुट्टी होने पर घर जा रहा था। आशाराम चौराहा पर पहुंचने पर स्कूटर से आए सीनियर छात्र ने उसे रोक लिया। वह कहने लगा कि स्कूटर पर बैठ तुझसे बात करना है। छात्र ने कहा कि यहीं बात कर लो। इसी बीच वहां उसका एक अन्य साथी गाड़ी से पहुंच गया। सीनियर ने कहा कि आईटी पार्क में बैठकर आराम से बातचीत करते है। सीनियर छात्र उसके साथ मौजूद दूसरी गाड़ी पर छात्र उसे स्कूटर पर बिठाकर आईटी पार्क लेकर पहुंचे। वहां स्कूल के आधा दर्जन छात्र पहले से मौजूद थे। सीनियर ने स्कूटर रोकी और पीड़ित छात्र को नीचे उतारने के बाद गालीगलौज शुरू कर दी। छात्र ने गाली देने से मना किया तो सीनियर ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी। वहां मौजूद कुछ छात्रों ने उसे बचाया। जाते समय सीनियर छात्र और उसके तीन साथी कहने लगे कि आज तो तू बच गया। अब दोबारा हमसे तेज चला तो जान से खत्म कर देंगे। पीड़ित छात्र ने घटना की जानकारी अपने पिता को दी। इसके बाद पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022